P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 08 दिसंबर 2025

▪ वर्ष : 5 ▪ अंक : 36

▪ पृष्ठ : 6 ▪ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com

dainikindoresanket

dainikindoresanket

dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

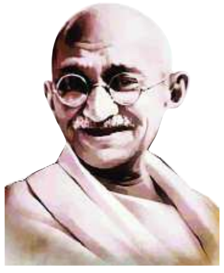

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

राम कथा भारतीय संस्कृति का गौरवशाली दस्तावेज

पेज-2

छोटे पर्दे पर धूम मचा रही हैं स्मृति ईरानी

पेज-5

11 दिसंबर को अस्त हो रहा शुक्रतारा

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- गोवा क्लब अग्निकांड : गोवा पुलिस ने गौरव और सौरभ लूथरा के खिलाफ एलओसी जारी किया
- लखनऊ : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और तस्करों के बीच मुठभेड़, दो बदमाश घायल
- कफ सिरप कांड : लखनऊ आदर्श कारागार में तैनात महेंद्र सिंह को सस्पेंड किया गया
- दिल्ली-एनसीआर में जहरीले स्मॉग की चादर, कई इलाकों में एयर क्वालिटी बहुत खराब
- गाजा में युद्ध खत्म करने के लिए प्लान का दूसरा चरण जल्द होगा लागू- नेतन्याहू
- वंदे मातरम पर आज लोकसभा में चर्चा की शुरुआत करेंगे पीएम मोदी
- पश्चिम अफ्रीका के बेनिन देश में तख्तापलट की कोशिश के आरोप में 14 लोग गिरफ्तार
- आज यूनेस्को के 20वें आईसीएच सत्र की मेजबानी करेगा भारत
- श्रीनगर के मुनवराबाद में दुकानों और एक फर्नीचर गोदाम में लगी आग
- क्रेमलिन ने ट्रंप की नई सुरक्षा रणनीति का समर्थन किया, कहा- ये रूस की दृष्टिकोण के अनुरूप
- गौरव खन्ना ने जीता बिग बॉस-19 का खिताब

निगम आयुक्त दिलीप यादव के सख्त निर्देश, नकद टैक्स लिया तो होगी कार्रवाई

नकद नहीं, अब क्लिक चलेगा, टैक्स जमा होगा पूरा ऑनलाइन!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम में अब ऑनलाइन टैक्स ही स्वीकार किया जाएगा। किसी भी स्थिति में नकद रुपयों को लेनदेन नहीं होगा। सम्पत्तिकर, जलकर और कचरा शुल्क एक केवल ऑनलाइन ही जमा किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे नकद भुगतान नहीं स्वीकार करें। इसके लिए निगम पीयूएस मशीनों का उपयोग करेगा। इसके पीछे निगम आयुक्त यादव का उद्देश्य है कि कोई भी कर्मचारी टैक्स या स्पॉट फाइन की लेकर घपला-घोटाला नहीं कर सके। बता दें कि नगर निगम में बीते वर्ष लोक अदालत में मिले टैक्स के रुपए का गबन हुआ था, जिसमें 23 लोगों के खिलाफ नगर निगम ने प्रकरण दर्ज करवाया था।

इस तरह रोके जाएंगे घोटाले- वर्तमान में 70 प्रतिशित टैक्स नगर निगम करदाता ऑनलाइन जमा करते हैं, लेकिन 30 प्रतिशत ऐसे सम्पत्तिकर खाते हैं जिसमें लोग नकद भुगतान करते हैं। ऐसी स्थिति में पीयूएस मशीन के माध्यम से निगम कर्मचारी भुगतान से पहले विकल्प चुनेंगे, जिससे टैक्स नकद भी जमा होगा, लेकिन तत्काल रसीद कटेगी और मैसेज ई-पालिका पोर्टल तक पहुंच जाएगा, जिसके बाद कर्मचारी इस राशि में घपला नहीं करेगा। वहीं,

इसके विपरीत पूर्व में रसीद कट्टे से काटी जाने वाली रसीद की राशि सम्पत्तिकर करदाता से जमा करवा ली जाती थी। ऑनलाइन पोर्टल पर रसीद की इंट्री नहीं करके घोटाले को अंजमा दिया जाता था। **100 प्रतिशत डिजिटल भुगतान व्यवस्था-**श का पहला ऐसा इंदौर नगर निगम प्रदेश का नगर निगम बन रहा है, जो विभिन्न सेवाओं के लिए भुगतान व्यवस्था 100 प्रतिशत डिजिटल करने के प्रयास में जटा है। निगम आयुक्त ने नगर निगम में ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था पूरी तरह से निगम में लागू करवाने की जिम्मेदारी अर्थ जैन स्मार्ट सिटी सीईओ को दी है। उन्होंने बताया कि नगर निगम कर्मचारियों को 50 पीयूएस मशीनें दी गई हैं। जिसका उपयोग फील्ड में स्पॉट फाइन और टैक्स वसूली के दौरान होगा।

23 लोगों ने मिलकर किया था घोटाला-इंदौर नगर निगम में घपलेबाज कर्मचारियों की कमी नहीं है। बीते वर्ष लोक अदालत के दौरान वसूले गए टैक्स की राशि में घपला किया गया था। अदालत के दौरान टैक्स जमा करके रसीद दी गई, लेकिन ऑनलाइन सिस्टम में यह टैक्स जमा नहीं हुआ। इसकी शिकायत जब करदाताओं द्वारा की गई तो निगम ने घोटाले में शामिल 23 कर्मचारी पर प्रकरण भी दर्ज करवाया गया था।

> नगर निगम के स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का कहना है कि हमारा उद्देश्य फील्ड में होने वाले स्पॉट फाइन सहित अन्य राशि जो निगम द्वारा जमा करवाई जाती है उसका भुगतान पीयूएस मशीन के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किया जाए, ताकि राशि इंट्री ई-पालिका पोर्टल पर तत्काल दिखाई दे, जिससे कर्मचारी घोटाला या घपला नहीं कर सकेंगे। इस मशीन का उपयोग निगम के टैक्स काउंटर पर भी किया जाएगा। इसमें क्यूआर स्कैन करने, क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड स्वीप करने और नकद जैसे विकल्प होंगे और राशि इंट्री ऑनलाइन दिखाई देने से कोई घोटाला नहीं होगा।

इंडिगो के कारण डोमेस्टिक फ्लाइट हुई महंगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर एयरपोर्ट से रविवार को भी इंडिगो की उड़ान प्रभावित है। वहीं आज भी फ्लाइट प्रभावित रहेंगी। देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट पर यात्री लगातार परेशान हो रहे हैं। एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह की इंदौर से आने और जाने वाली 3 से ज्यादा फ्लाइट कैंसल हैं। वहीं एयरपोर्ट पर उड़ान निरस्ती और अफरा-तफरी के बीच अचानक किरायों में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। इंदौर से शारजाह जैसे इंटरनेशनल रूट का टिकट डोमेस्टिक उड़ानों से भी सस्ता पड़ रहा है। दिल्ली, मुंबई और अन्य शहरों के किराए 15 हजार रुपए से ज्यादा है। ट्रेवल एजेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया बताते हैं कि इंडिगो के इस अभूतपूर्व संकट ने यात्रियों को मुश्किल में डाल दिया है। इंडिगो से सफर करने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं। दूसरी एयरलाइंस आराम से चल रही है। इंदौर से शारजाह उड़ान का संचालन एयर इंडिया एक्सप्रेस कर रही है। उसकी उड़ान नियमित रूप से चल रही है। इसलिए किराए पर कोई अंतर नहीं पड़ा है। डोमेस्टिक में इंडिगो सबसे अधिक उड़ान का संचालन करती है। इसलिए किराए पर अंतर पड़ गया है।

संगठन सृजन के बाद भी शहर कांग्रेस में नहीं बना समन्वय

नेताओं के बीच बढ़ी दूरियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कांग्रेस में इन दिनों शहर हो या जिला कांग्रेस जिस तरह से कांग्रेस की समन्वय की गाड़ी बेपटरी हुई है। उसे लेकर अब भोपाल में भी चिंता की लकीरें देखी जा सकती हैं। दरअसल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अपनी मनमानी करते हुए सृजन का विसर्जन किया है। उसके बाद इंदौर शहर कांग्रेस हो या फिर जिला कांग्रेस से जुड़े नेता अपनी ही पार्टी से काफी ज्यादा खफा हैं। वहीं दूसरी तरफ जिला कांग्रेस अध्यक्ष और शहर कांग्रेस अध्यक्ष की आपस में बढ़ती दूरियां भी अब अंदर ही अंदर चर्चाओं का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि अब एक बार दोबारा कांग्रेस में गुटबाजी जमकर हावी होती दिख रही हैं, क्योंकि खुद कांग्रेस के ही सूत्र बता रहे है कि कांग्रेस एक बार फिर गुटों में तब्दील हो गई है। क्योंकि पटवारी कांग्रेस और दिग्गी कांग्रेस अब अलग अलग थलग होती जा रही हैं। फिलहाल वर्चस्व की लड़ाई में यह दोनों गुटों से जुड़े नेता एक दूसरे को राजनीतिक रूप से निपटाने में लगे हुए हैं।

यादव खेमा है चुप, बाहर से देख रहा सबकुछ खेला

इधर शहर कांग्रेस अध्यक्ष की दौड़ में शामिल पूर्व पार्षद दीपू यादव सहित कई उनके समर्थक चुप्पी की मुद्रा लिए हुए हैं। जबकि इसी शहर अध्यक्ष की दौड़ में रहे अन्य नेताओं ने भी लगभग पार्टी कार्यक्रमों और पार्टी से काफी ज्यादा दूरियां बना ली हैं।

जिला अध्यक्ष कभी इधर तो कभी उधर

पीसीसी चीफ पटवारी और दिग्गी गुट में तनातनी का माहौल बना हुआ है, वहीं दूसरी तरफ इस पूरे एपिसोड के दौरान जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े की भूमिका को लेकर भी कांग्रेसियों में काफी ज्यादा संशय बना हुआ है, क्योंकि विपिन कभी दिग्गी के साथ तो कभी पटवारी के इधर देखे जाते हैं। लिहाजा जिला कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर अब कांग्रेसी ही बोल पड़ते है कि विपिन कभी इधर तो कभी उधर का रुख बनाए हुए हैं।

जिस तरह से पहले से इंदौर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष होते हुए और सृजन अभियान में दूर दूर तक शहर अध्यक्ष की दावेदारी नहीं करने की बात करने वाले चिंटू चौकसे को पीसीसी चीफ पटवारी ने दो दो कुर्सियों पर काबिज करवा दिया। उसके बाद से ही कांग्रेस से जुड़े कई नेताओं का गुस्सा पार्टी के प्रति उबल रहा हैं। कई नेता जिनमें पहले देवेंद्र सिंह यादव हो या फिर अन्य कई और नेताओं ने चिंटू चौकसे के खिलाफ मुखर होने में कोई कोताही नहीं बरती थी। हालांकि अवसरवाद के चलते चिंटू ने ऐसे नाराज नेताओं को सेट तो कर लिया हैं, लेकिन इनमें से ही कई नेता ऐसे है, जिनकी टीस अभी भी कम नहीं हुई हैं, बल्कि अंदर ही अंदर चिंटू को राजनीतिक रूप से निपटाने में वह लगे ही रहते हैं।

हाल ही में शहर कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पर कई कांग्रेसी चिंटू चौकसे के खिलाफ धरने पर बैठ गए थे, क्योंकि उनका आरोप था कि फिलहाल कांग्रेस अध्यक्ष सच्चे कांग्रेसियों को छोड़ फुलछाप कांग्रेसियों पर ज्यादा मेहरबान है।

हाइसिक्योरिटी नंबर प्लेट का काम नहीं हुआ शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हाइसिक्योरिटी नंबर प्लेट को लेकर आरटीओ ने टीम के साथ एक बैठक की। सूत्र बताते हैं बैठक में अफसरों को जमकर लताड़ लगाई। आरटीओ ने अफसरों की बैठक के बाद हिदायत दी कि जल्द से जल्द हाइसिक्योरिटी नम्बर प्लेट अभियान शुरू करें। अभी तक तो काम ठंडे बस्ते में ही नजर आ रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक परिवहन विभाग हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट को लेकर 1 दिसंबर से अभियान शुरू करने वाला था इसके लिए विभाग टीम गठित भी हो चुकी थी, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि 1 अप्रैल 2019 के बाद रजिस्टर्ड हुए वाहनों में हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेटें डीलर के यहां से ही लगवाना अनिवार्य किया गया जा चुका है। बावजूद इसके कई वाहन बिना हाइसिक्योरिटी नम्बर प्लेट के ही दौड़ रहे हैं और ऐसे वाहनों की संख्या इंदौर सहित प्रदेशभर में 25 लाख से अधिक बताई गई है। सूत्र बताते हैं कि हाईसिक्योरिटी नम्बर प्लेट नहीं लगाने वाले वाहनों की भी कई तरह की सेवाएं बंद की जा सकती है, जिनमें डुप्लीकेट पंजीयन प्रमाण पत्र, पता बदलवाना, वाहन का मालिकाना हक किसी और को ट्रांसफर करना, फिटनेस प्रमाण-पत्र सहित अन्य सेवाओं पर रोक लगाई जाएगी।

20 साल पुराना घोटाला, फर्जीवाड़ा करने वाले शिक्षकों की नौकरी पर मंडरा रहा खतरा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर से एक ऐसा खुलासा हुआ है जिसने पूरे शिक्षा महकमे को हिला दिया है। एसटीएफ की जांच में पता चला है कि शहर और आसपास के इलाकों में लगभग 80 शिक्षक पिछले कई सालों से फर्जी अंकसूची के आधार पर नौकरी कर रहे थे। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा खेल लगभग 20 साल से बिना किसी रोक-टोक के चलता रहा।

जांच के बाद अब पूरी तस्वीर साफ हुई है कि यह सिर्फ कुछ लोगों की गलती नहीं थी, बल्कि एक पूरा रैकेट चल रहा था जो फर्जी डी.एड अंकसूची बनाकर नौकरी दिलवाता था। इस खुलासे के बाद शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन दोनों सवालों के घेरे में हैं। इंदौर और सांवेर के कई सरकारी स्कूलों में ऐसे शिक्षक काम कर रहे थे, जिन्होंने अपने नियुक्ति के लिए नकली डी.एड अंकसूची का इस्तेमाल किया था। एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि लंबे समय से जिला पंचायत स्तर पर ही इनकी नियुक्ति की गई थी और बाद में इन्हें संविलियन के जरिए स्थायी कर दिया गया। जांच में यह बात साफ हुई है कि पहले इन शिक्षकों को गांवों की पंचायतों के माध्यम से संविदा शिक्षक के रूप में रखा गया। संविदा में तीन साल पूरे होते ही उन्हें शिक्षा विभाग में संविलियन कर दिया जाता था। यहीं सबसे बड़ी लापरवाही हुई, जांच-पड़ताल लगभग नाममात्र की रही। कई अधिकारियों ने दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया को गंभीरता से नहीं लिया, और इसी लापरवाही का फायदा उठाकर फर्जी शिक्षक स्थायी नौकरी तक पहुंच गए।

सियासत में 'शादी-राजनीति' का तड़का!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर की राजनीति में इन दिनों चर्चा किसी बयान या धरने की नहीं, बल्कि पत्रिका वितरण की है! विधायक गोलू शुक्ला के बेटे की शादी का न्योता जब दिल्ली की गलियों में घूमता दिखा और वो भी सांसद शंकर लालवानी के हाथों तो इंदौर की बीजेपी में कई लोगों के कान अपने-आप खड़े हो गए। बताया जा रहा है कि दिल्ली में बड़े-बड़े नेताओं के दरवाजे पर जब लालवानी ने स्वयं पहुँचकर पत्रिका सौंपी, तो राजधानी की हवा में भी सवाल तैरने लगे- 'भाई, इंदौर में अब राजनीतिक रिश्ते भी वैवाहिक मंच से अपग्रेड हो गए क्या?'

इंदौर का राजनीतिक गलियारा इस 'दिल्ली दरबार' वाली एक्टिविटी को यूँ देख रहा है जैसे शादी नहीं, बल्कि कोई रणनीतिक गठबंधन हो रहा हो। चर्चे ये भी हैं कि इस पूरे कार्यक्रम ने शहर के कुछ नेताओं के चेहरे पर मुस्कान और कुछ के माथे पर शिकन पैदा कर दी है।

पार्टी के भीतर अब माहौल ऐसा है जैसे किसी ने सियासी चाय में अदरक थोड़ा ज्यादा डाल दिया हो, खुशबू भी आ रही है और गर्मी भी! भैया कुछ लोग तो यह भी कह रहे हैं कि 'गोलू शुक्ला और शंकर लालवानी की ये जुगलबंदी यदि यूँ ही चलती रही, तो इंदौर की बीजेपी में अगला सीजन पहले से ज्यादा दिलचस्प होने वाला है।

सूत्रों की मानें तो शादी की तैयारियों से ज्यादा हलचल उस तस्वीर ने मचाई, जिसमें लालवानी दिल्ली के दिग्गजों के दरवाज़े पर न्योता देते दिखे। इंदौर की राजनीति में इसे दोनों नेताओं की बढ़ती नज़दीकियों का संकेत माना जा रहा है। पार्टी के कुछ पुराने चेहरों ने इसे 'रोचक गठजोड़' बताते हुए कहा कि आने वाले महीनों में इसका असर दिख सकता है।

शहर के राजनीतिक हल्कों में चर्चा है कि यह 'पारिवारिक कार्यक्रम' से ज्यादा सियासी समीकरणों का नया मंच बन गया है। कुछ नेता इसे साधारण शिष्टाचार कह रहे हैं, जबकि कई इसे भविष्य की रणनीति का हिस्सा मानकर ताज्जुब में हैं। फिलहाल यह शादी तो परिवार का आयोजन है, पर इसके बहाने जो राजनीतिक उठापटक हो रही है, उसने इंदौर की सियासत में मसाले का स्तर ज़रा बढ़ा दिया है और जनता मज़े ले रही है!

कुल मिलाकर, दिल्ली में बंटी एक पत्रिका ने इंदौर की राजनीति में जितनी हलचल मचाई है, वह बता रही है कि चुनावी मौसम हो या नहीं, शादी हो या राजनीति, संकेत कभी बेकार नहीं जाते!

बर्फीली हवाओं से ठिठुरा इंदौर, पारे ने 10 साल का रिकार्ड तोड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बर्फीली हवाओं की वजह से मध्यप्रदेश ठिठुरने लगा है। रविवार-सोमवार की रात प्रदेश के ज्यादातर शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे रहा। इंदौर में पिछले 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। रात में यहां पारा 5.7 डिग्री रहा, जो साल 2015 से 2024 के बीच सबसे कम है।

राजधानी भोपाल में पिछले 3 दिन से शीतलहर चल रही है। सुबह से ही लोग ठंड से बचने के जतन करते नजर आए। यहां न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री दर्ज किया गया। उज्जैन में सीजन की सबसे सर्द रात रही, यहां पारा 9 डिग्री रहा। ग्वालियर में 8.9 डिग्री और जबलपुर में पारा 8.3 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग ने आज भी कोल्ड वेव और

कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया है। इंदौर, उज्जैन और जबलपुर संभाग के कई शहरों में कोल्ड डे (ठंडा दिन) की स्थिति है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के अनुसार, सोमवार को इंदौर, शाजापुर, धार-नरसिंहपुर में कोल्ड डे और भोपाल में कोल्ड वेव का अलर्ट है। इससे पहले रविवार को भोपाल-शहडोल में शीतलहर चली। शाजापुर, नरसिंहपुर-बैतूल में कोल्ड डे रहा।

कोहरे की वजह से विजिबिलिटी रही कम

इंदौर में सुबह कोहरे की वजह से विजिबिलिटी कम रही। सड़कों पर लोग भी कम दिखे। शहर में लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। ठंड को देखते हुए मंदिरों में भगवान को भी गर्म कपड़े पहनाए गए। मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी-बारिश हुई है। यहां से सर्द हवाएं एमपी में आ रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

साँची की मिट्टी हुई इंदौर की मिट्टी मे समाहित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर गीता भवन, एबी रोड़ चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा स्थल पर डॉ. अम्बेडकर युग सेवा समिति द्वारा श्रद्धांजलि स्वरुप चक्रवर्ती सम्राट अशोक द्वारा निर्मित व तथागत बुद्ध का सन्देश देने वाली विश्व धरोहर साँची स्तूप की पावन भूमि से लाई गई मिट्टी को इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेन्द्र हार्डिया, रमेश मेंदोला, इंदौर नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के करकमलो से बाबा साहब की प्रतिमा स्थल पर लगे पेड़-पौधो मे समाहित करवाया गया। प्रतिमा स्थल पर आयरन वेस्ट से निर्मित साँची द्वार की प्रतिकृति के निर्माण की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर स्मृति स्वरूप महापौर सचिवालय पर समिति ने महापौर को साँची स्तूप की मिट्टी मे रोपा हुआ अशोक का पौधा भेंट किया। जिसे महापौर सचिवालय के बगीचे मे महापौर और उनकी पत्नी जूही भार्गव द्वारा रोपित किया गया।

विद्याधाम मंदिर के पुजारियों को कम्बल भेंट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्री विद्याधाम मार्ग पर वेदपाठ का विद्यार्जन कर रहे बटुकों, संतों एवं मंदिर के सेवकों सहित 251 बन्धुओं को बाबाश्री अग्रशक्ति क्लब एवं मित्र मंडल की ओर से समाजसेवी जगदीश गोयल एवं द्वारकादास गोयल के आतिथ्य में कम्बल भेंट कर दक्षिणा भी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुकुल गोयल एवं सौरभ गोयल ने आश्रम पर भोजन बनाने वाले रसोइयों, गौसेवकों एवं अन्य कर्मचारियों का भी सम्मान किया। कार्यक्रम में मुक्ति गोयल अग्रवाल, अरुण गोयल, अजय मित्तल, सोनू अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, शिवनारायण अग्रवाल, शेखर गोयल सहित अनेक समर्पित सेवाभावी बंधु उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत हेमंत गोयल, विनोद अग्रवाल, मनीष गोयल, पंकज अग्रवाल एवं अमित अग्रवाल ने किया।

नेता प्रतिपक्ष और जनकार्य समिति प्रभारी के बीच सड़कों को लेकर वार-प्रतिवार

खींचतान : मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर असत्य जानकारी देकर भ्रम फैलाया जा रहा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में केंद्र सरकार की विशेष सहयता योजना के तहत 23 मास्टर प्लान की सड़कें बनाई जाना प्रस्तावित हैं। इनमें से कुछ का काम तो शुरू हो गया और कुछ का बाकी है। इसको लेकर निगन नेता प्रतिपक्ष चिंटु चौकसे ने आरोप लगाया था कि मास्टर प्लान की सड़कों को बनाने केंद्र सरकार से पैसा मिला है। नगर निगम से टेंडर होने के बाद भी सड़कों का काम शुरू नहीं हो पा रहा है। इसके पीछे महापौर की नाकामी है। नेता प्रतिपक्ष के इस आरोप का जवाब देते हुए नगर निगम जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि चिंटू चौकसे द्वारा मीडिया में गलत जानकारी दी गई की शहर में विशेष सहायता योजना के अंतर्गत निर्माण किए जाने वाले सड़कों का कार्य शुरू नहीं हुआ है। असत्य जानकारी देकर मीडिया और शहरवासियों में भ्रम फैलाना चिंटू चौकसे की आदत है। वर्तमान में 23 में से 10 मास्टर प्लान सड़कों का कार्य चल रहा है।

मास्टर प्लान की 10 सड़कों का कार्य चल रहा है: राठौर ने कहा कि मास्टर प्लान की वास्तविक स्थिति जाने बिना चौकसे ने गलत बात कही है, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि विशेष सहायता योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से 463 करोड की राशि से बनने वाली मास्टर प्लान की सड़कों का निर्माण महापौर के नेतृत्व में शुरू किया जा चुका है, जिसमें प्रथम चरण में 10 सड़कों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिन सड़कों का कार्य चल रहा है, वो हैं- 1. एमआर 10 से एमआर 12 तक लिंक रोड़। 2. टी.सी.एस. से एम. आर. 5 तक सड़क विकास। 3. चंद्रभागा से मच्छी बाजार तक सड़क विकास 4. एम. आर. 5 (बड़ा बांगड्दा से पीएमएवाय मल्टी तक)। 5. एयरपोर्ट से एम. आर. 5 तक सड़क का विकास। 6. सांवेर रोड़ से शिवशक्ति नगर तक सड़क का विकास। 7. एडवास एकेडमी से रिंग रोड तक सड़क का विकास। 8. मालवीय नगर गली नं 2 (एम् आर 9 से एलआईजी लिंक रोड)

तक सड़क विकास। 9. जमजम चौराहा से स्टार चौराहा तक सड़क विकास। 10. मूसाखेड़ी चौराहे से साँवरिया धाम मंदिर तक दोनों ओर सर्विस रोड़ का निर्माण। इन सड़कों के निर्माण के पहले बड़े स्तर पर बाधाए हटाई गई है। इन सड़कों के अलावा सुभाष मार्ग (गोल मंदिर से रामबाग पुल), मधुमिलन से छावनी तक आदि सड़कों में पहले नर्मदा लाइन, ड्रेनेज लाइन डाले जाने का कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जा रहा है। लाइन डालने के उपरांत तत्काल सड़कों का निर्माण प्रारंभ किया जाएगा। निर्माण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इन सड़कों के अलावा शहर की अन्य सड़कों का निर्माण कार्य भी आने वाले दिनों में पूर्ण करने का हमारा लक्ष्य है, जिससे सिंहस्थ के पर्व पर सभी सड़कों पर यातायात शुरू किया जा सकें।

6 टीम दिन-रात शहर की सड़कों के गड्?ढे भर रही: चौकसे ने आरोप लगाए थे कि महापौर ने कई बार दावे किए। उसे बाद भी सड़कों के गड़े नहीं भरे गए हैं। नगर निगम ने पेंचवर्क करने के लिए करोड़ों रुपये के टेंडर कर दिए। काम कब पूरा होगा। बारिश का मौसम खत्म हुए समय हो गया। निगम की तैयारी ही नहीं थी। बारिश के बाद तो पेंचवर्क के टेंडर करने की याद आई। यह नगर निगम की नाकामी है, जिसका खामियाजा शहर के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। इस पर श्री राठौर का कहना कि इस बार बारिश देर तक चलती रही जिसके कारण डामरीकरण कार्य करने में कठिनाई हुई और कार्य प्रभावित हुआ है उसके बाद भी नगर निगम की द्वारा योजना बध तरीके से 6 टीम तैयार की गई है यह 6 टीम दिन रात शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गड्ढे भरने और डामरीकरण का कार्य लगातार कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष के वार्ड में 12 करोड़ के कार्य हुए

वहीं भाजपा की परिषद में बिना भेदभाव के शहर के विकास में हमेशा कार्य किया इसका उदाहरण है चिंटू चौकसे के स्वयं के वार्ड क्रमांक 21 एवं राजू भदौरिया के वार्ड क्रमांक 22 में दोनों वार्डों में पिछले 3 साल में 12 करोड़ से अधिक के कार्य निगम द्वारा किए गए। इसलिए चिंटू चौकसे द्वारा विकास कार्य नहीं होने के आरोप लगाना, निराधार है। केवल असत्य जानकारी देकर भ्रम फैलाने कर झूठा श्रेय लेने का प्रयास इनके द्वारा किया जा रहा है। चिंटू चौकसे द्वारा दी गई गलत एवं भ्रामक जानकारी की मै आलोचना करते हुए खंडन करता हूं।

दो सड़कें बनी हुई हैं गले की हडडी

नवलखा से छावनी होते हुए मधुमिलन चौराहा और सुभाष मार्ग की सड़क चौड़ीकरण का मामला वर्तमान में गले की हड्डी बनी हुई है। कारण विधायक और नेता जनता के बीच घोषणा कर चुके हैं कि प्रथम चरण में इन सड़कों की चौड़ाई कम कर देंगे, लेकिन मप्र सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी है। ऐसे में इन सड़कों का कार्य शुरू होता है, तो जमकर विरोध होगा, क्योंकि दोनों ही सड़कों में जमकर तोड़फोड़ होना है और वर्षों 70-80 साल पुराने मकान-दुकान टूटेंगे।

नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर को, बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में होंगे समझौते

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस कैलेंडर वर्ष की आखिरी नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर 2025 (शनिवार) को आयोजित होगी। लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य् अनियमितताओं के प्रकरण को आपसी समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली जोन, वितरण केन्द्र, विजिलेंस कार्यालय से संपर्क करें।

शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी। प्रि-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत ब्याज की राशि की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर लगने वाले ब्याज पर 100 प्रतिशत राशि की छूट दी जाएगी। साथ ही विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 अंतर्गत तैयार प्रकरण पर भी जारी आकलित सिविल दायित्व में 20 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत ब्याज की छूट दी जावेगी विद्युत कंपनी ने कहा है कि नेशनल लोक अदालत में छूट कुछ नियम एवं शर्तों के तहत दी जाएगी जो आंकलित सिविल दायित्व राशि 10 लाख रूपये तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत 13 दिसंबर 2025 को समझौते करने के लिए ही लागू होगी।

एसआईआर को लेकर भाजपा का महाभियान

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और विधायक पहुंचे बूथों पर, किया मतदाता सूची का परीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा एवं नगर प्रभारी सुधीर कोल्हे ने बताया कि एसआईआर को लेकर आज भाजपा नगर द्वारा बूथ स्तर पर महाभियान चलाया गया। सभी विधानसभाओं में कार्यकर्ताओं ने अपने अपने बूथों पर वरिष्ठ नेताओं के साथ मतदाता सूची का परीक्षण किया। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 में अपने निवास स्थित बूथ क्रमांक 140 पर कार्यकर्ताओं के साथ मतदाता सूची का परीक्षण किया एवं बूथ कार्यकर्ताओं से जानकारी भी ली। उन्होंने अन्य विधानसभाओं में विभिन्न बूथों पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची का परीक्षण कर जानकारी ली। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 1 में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मार्गदर्शन में पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, विधानसभा प्रभारी जयदीप जैन, अशोक चौहान चांदु के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने वार्ड क्रमांक 12 एवं 17 के विभिन्न बूथों पर मतदाता सूची का परीक्षण किया गया।

शाशकीय विद्यालय के बाहर अव्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शिवाजी नगर वार्ड 56 के शासकीय स्थूल के पास पड़ा रेत गिट्टियों से पूरा रास्ता जाम है । यहाँ के रहवासियों के इतराज के बाद कहा गया था कि एक हफ्ते में उठा लेंगे । परन्तु करीब एक महीना हो गए । स्थिति जस की तस बनी हुई है । इसे नहीं उठाया गया है । इसके कारण से मच्छरों की भरमार हो जाने से लोगो को खासी बुखार से पीड़ित पड़ रहे हैं । एक मकान के तो दोनों तरफ इतना कचरा जमा है कि इससे बदबू आ रही है / वही पास में शासकीय विद्यालय है जहाँ छोटे छोटे बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं । इतना ही नहीं एक बकरी का बच्चा मरा पड़ा हुआ । लोगों ने बताया कि कड़ाके की ठंड के चलते उसकी जान चली गई । यह सब शाशकीय स्कूल के पास के हालत हैं । रास्ते मे पड़ा रेत और गिट्टी के कारण टू वाहन और आटो रिक्शा आगे न जाने से यहाँ रास्ते पर खड़े हैं। निगम सफाई कर्मी भी इसके कारण सफाई नहीं पा रही है ।उल्लेखनीय है कि कचरा लेने गाड़ी रोज सुबह वाहन आता है उन्हें यह सब कुछ देख कर भी निगम इसकी शिकायत नहीं करते हैं।

राम कथा भारतीय संस्कृति का गौरवशाली दस्तावेज-आचार्य शांतनु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देश में आज धर्म, संस्कृति, मर्यादा और चरित्र के नाम पर जो कुछ बचा है वह हमारी मातृशक्ति के त्याग और समर्पण का ही नतीजा है। स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा चिंतन को इस बात का होना चाहिए कि जिस बाबर, गजनी और गजनवी ने हमारे असंख्य मन्दिरों को ध्वस्त किया, हमारी माता-बहनों को बेआबरू किया और सोने की चिड़िया कहे जाने वाले इस देश की अपार धन संपदा एवं वैभव पर डाका डाला, उनके नाम पर कोई स्मारक या मस्जिद का निर्माण कोई कैसे करा सकता है। राम कथा केवल कथा नहीं, भारतीय संस्कृति का गौरवशाली वह दस्तावेज है जिससे देश के जन-जन की आस्था और

श्रद्धा जुड़ी हुई है। अयोध्या काण्ड का मंथन करें तो समझा जा सकता है कि एक आदर्श परिवार कैसा होता है। समाजसेवी टीकमचंद गर्ग, विष्णु बिंदल, राधेश्याम गुरूजी, श्रवण सिंह चावड़ा, गोपाल अग्रवाल दया, रणजीत हनुमान मंदिर के पुजारी पं. दीपेश व्यास, महापौर प्रतिनिधि भरत पारिख, हरिनारायण यादव, रामस्वरूप गहलोत, रिक्की गांधी, सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने आयोजन समिति के गोपाल गोयल, किशोर गोयल, संजय बांकडा, संदीप गोयल के साथ आचार्यश्री का स्वागत कर व्यास पीठ का पूजन एवं आरती में भी भागीदारी दर्ज कराई।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का कमाल बंसल के कारोबार को दी नई उड़ान

- सात लाख का सरकारी ऋण लेकर छोटे से व्यवसाय का किया विस्तार
- साधारण से कारोबारी ने अपने व्यवसाय की बनाई प्रतिष्ठित पहचान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासन की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के सहारे बड़वानी के अंजड शहर निवासी चिराग बंसल के जीवन में एक बड़ा बदलाव आ गया है। कभी पेस्टीसाइड्स और बीज़ सम्बन्धित व्यवसाय को बढ़ाने के लिए धन की कमी समस्या से जूझ रहे बंसल परिवार ने सरकार की इस योजना की मदद से न सिर्फ अपने कारोबार को नई ऊंचाइयां दी बल्कि अंजड शहर में एक प्रतिष्ठित कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बना ली है।

चिराग बंसल शुरूआत में अपने बड़े भाई की पेस्टीसाइड्स और बीज़ की छोटी सी दुकान में सहयोग करते थे। जब उनका व्यवसाय सफल होने लगा, तो उन्होंने इसे बढ़ाने और विस्तार देने की योजना बनाई मगर व्यवसाय के विस्तार के लिए आवश्यक धन की जरूरत सम्बन्धी समस्या उनका रास्ता रोक कर हमेशा आगे आ कर खड़ी हो जाती। यानी पूँजी की कमी उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती थी क्योंकि व्यवसाय की सफलता का हुनर तो था मगर धन नही था मगर कहते है न जहां चाह वहां राह ....।

न्याय सब के लिए शोषन मुक्त समाज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●शनिवार को विधिक साक्षरता शिविर का शाशकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यायल पर किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर सत्र न्यायालय परिसर इंदौर म.प्र माननिय प्रधान न्यायाधिश/अध्यक्ष महोदय श्रीमान अजय श्रीवास्तव साहब व अपर सत्र न्यायाधिश/सचिव महोदय श्रीमान शिवराज सिंह गवली साहब के निर्देशन एंव डी.एल.ओ महोदया श्रीमती शक्ति सिंह रावत के मार्गदर्शन से पी.एल वी.विनय डागर पी.एल .वी भावना खोड़े द्वरा किया गया विद्यालय के 200 से अधिक बच्चो को विकलांगता अधिनियम 2016 पॉस्को एक्ट 2012 बाल अपराध, बल एवं किशोर अपराध, बल विवाह रोकथाम ,साइबर अपराध, शासकीय योजनाओं एंव नि:शुल्क विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं एंव आवश्यक कानूनी मदद एंव परामर्श हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 व साइबर क्राइम 1930,181 वन स्टाप सेंटर की जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्रधिकरण इंदौर एवं कर्तव्य सामाजिक संस्था इंदौर के द्वरा स्युक्त तत्वधान में यहाँ कार्यक्रम किया गया।

राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव के इंदौर आगमन पर भव्य स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव के इंदौर आगमन पर राज्य कर्मचारी संघ एवं भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। राज्य कर्मचारी संघ इंदौर के जिला सह संयोजक दिनेश परमार ने बताया कि संघ के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव का नंदानगर स्थित भारतीय मजदूर संघ के संभागीय अध्यक्ष मुकेश सेन के कार्यालय पर जिले के नव नियुक्त पदाधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष शिववीर सिंह भदौरिया, संभागीय अध्यक्ष मुकेश सेन, देवेंद्र रघुवंशी, हिमांशु तिवारी, श्रीमती काजल पंवार,राजेश धवन,सुनील यादव नवीन रायकवार,हरि सिंह पाल आदि उपस्थित थे।

जिले में मतदाता सूची के लिए इंदौर कलेक्टर ने की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से समीक्षा बैठक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज इंदौर जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि इंदौर जिले ने एसआईआर निस्तारण का निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कर लिया है। बैठक में आयोग के निर्देशानुसार अगले चरण की गतिविधियों को गति देने और निर्धारित समय में पूर्ण करने के लिए विस्तृत जानकारी साझा की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नवजीवन विजय पवार, सहायक उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत श्रीवास्तव, मुख्य प्रशिक्षक आर. के. पांडे सहित अन्य अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवम वर्मा ने जिले में पूर्ण किए गए लक्ष्य के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से यह कार्य निर्धारित समय के पूर्व सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने इंदौर जिले में हुए कार्यों की सराहना की, उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और समन्वय से यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। बैठक में कहा गया कि जिले में वर्तमान में लगभग 6 प्रतिशत मतदाता अनमैप्ड हैं, जिनकी मैपिंग कार्य को प्राथमिकता पर किया जाएगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 08 दिसंबर 2025

कर्ज में डूबी प्रदेश सरकार प्रॉपर्टी बेचकर भरेगी खजाना, केंद्र से भी प्रॉपर्टी लेने की तैयारी

भोपाल (एजेंसी) • 4 लाख 64 हजार करोड़ के कर्ज में डूबी मध्यप्रदेश सरकार अब इससे उबरने की कोशिश में जुटी है। इसके लिए देश के दूसरे राज्यों में मौजूद एमपी के अलग-अलग विभागों की संपत्ति बेचने और उसे किराए पर देने की तैयारी है। वित्त विभाग ने सभी विभागों को पत्र लिखकर जानकारी मांगी है। जिसमें पूछा है कि किस राज्य में कितनी संपत्ति किस रूप में है, और उसका मूल्य क्या है? अगर किसी प्रॉपर्टी का कोर्ट में केस चल रहा है, किसी तरह का विवाद है तो इसकी भी जानकारी दी जाए।

इस कवायद का मकसद प्रदेश के बाहर मौजूद अलग-अलग विभागों की संपत्ति का डेटा जुटाना है। ताकी उसे बेचकर या किराये पर देकर राशि जुटाई जा सके। मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इन जानकारियों के आधार पर लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग पूरे देश में फैली इन संपत्तियों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार कर रहा है। यह विभाग इन संपत्तियों के मुद्रीकरण यानी मॉनेटाइजेशन की रणनीति बनाएगा। केरल के वायनाड से लेकर मुंबई के पॉश इलाकों और उत्तर प्रदेश के झांसी तक, मध्य प्रदेश सरकार की करोड़ों-अरबों की संपत्तियां हैं, जो या तो विवादों में फंसी हैं या उनका सही उपयोग नहीं हो पा रहा है।

दूसरे राज्यों में फैली संपत्तियों की मौजूदा स्थिति

मप्र सरकार की कंपनी, प्रोविडेंट इंवेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड के अधिकार में केरल के वायनाड जिले में 554.05 एकड़ की विशाल बीनाची एस्टेट है। इस जमीन का एक बड़ा हिस्सा (453.96 एकड़) केरल प्राइवेट फॉरेस्ट एक्ट, 1971 के तहत केरल सरकार के अधीन कर दिया गया था, जिसके खिलाफ प्रोविडेंट इंवेस्टमेंट कंपनी लिमिटेडने केरल हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। केरल सरकार ने इन बिंदुओं पर अपनी सैद्धांतिक सहमति दे दी है, लेकिन अब इस सौदे पर मध्य प्रदेश कैबिनेट की अंतिम मुहर लगनी बाकी है। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि केरल में मार्च 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में मोहन सरकार को इस पर जल्द ही फैसला लेना होगा ताकि सौदे को अंतिम रूप दिया जा सके। इस जमीन की कीमत अरबों में आंकी जा रही है।

बीएमसी ने किया खतरनाक घोषित

मुंबई के प्राइम लोकेशन पर मध्य प्रदेश सरकार की तीन मंजिला 'प्रिंसेज बिल्डिंग' है, जिसका कुल एरिया 2295.16 वर्गमीटर है। इस भवन में 153 किराएदार रहते हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम ने 20 फरवरी 2023 को इस इमारत को 'खतरनाक' घोषित कर दिया था। इसके लिए मेसर्स हैबिनोवा डेवलपर्स एलएलपी को डेवलपर के रूप में अनुमोदित किया गया है, और डेवलपर ने मुआवजे की राशि 3.76 करोड़ रुपए का भुगतान भी प्रोविडेंट इंवेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड को कर दिया है।

2.5 एकड़ जमीन पर कब्जा, 77 करोड़ का किराया बकाया

मुंबई के गोरेगांव जैसे पॉश इलाके में मध्य प्रदेश सरकार की लगभग 2.5 एकड़ (10,460 वर्गमीटर) जमीन है, जिस पर टेक वेंचर लिमिटेड नामक कंपनी का कब्जा है। इस जमीन का बाजार मूल्य 1.28 लाख रुपए प्रति वर्ग मीटर से भी अधिक है। सूत्रों के मुताबिक, इस कंपनी पर सरकार का 77.15 करोड़ रुपए का किराया बकाया है।

ईको फ्रेंडली पब्लिक ट्रांसपोर्ट बीसीएलएल इंदौर उज्जैन व सागर के लिए इलेक्ट्रिक बसें जल्द

भोपाल (एजेंसी) • भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल)पहली बार पूरी तरह इलेक्ट्रिक इंटरसिटी बस सेवा शुरू करने जा रहा है। अमृत 2.0 मिशन के तहत मिली 22 नई इलेक्ट्रिक बसें इंदौर, उज्जैन व सागर रूट पर चलाई जाएंगी। बीसीएलएल जल्द टेंडर निकालकर एजेंसी तय करेगा। जो एजेंसी बस चलाएगी, वही आईएसबीटी और हलालपुर में चार्जिंग स्टेशन भी बनाएगी। अभी तक इंटरसिटी कनेक्टिविटी सूत्र सेवा के पुराने डीजल मॉडल पर चल रही थी। सूत्र सेवा की शुरुआत अगस्त 2018 में रक्षाबंधन से ठीक एक दिन पहले हुई थी। उस समय 127 बसों की मंजूरी मिली थीं। करीब 110 बसों का संचालन होने लगा था, लेकिन इन बसों की खराबी और मेंटेनेंस को लेकर

काफी शिकायतें थीं। लिहाजा, धीरे-धीरे ये बंद होती चली गईं। आज मुश्किल से 40 बसें ही संचालित हो रही हैं। मकसद 16 नगर निगम और 4 नपा के बीच कनेक्टिविटी देना था। 6बसों की कमी, पुराने मॉडल और मेंटेनेंस इश्यू के कारण इंटरसिटी कनेक्टिविटी कमजोर होती गई।

बसों में ये फायदा... डीजल का प्रयोग न होने से प्रदूषण कम होगा। 6महिला- दिव्यांग यात्रियों की सुविधा का खास ध्यान। 6सुरक्षा के लिए सीसीटीवी और जीपीएस आदि की व्यवस्था रहेगी।

प्रदेश में इंजीनियरिंग कॉलेज डिजी लॉकर में अपलोड माइग्रेशन की कॉपी नहीं मान रहे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सत्र 2025-26 में इंजीनियरिंग में प्रवेश लेने वाले छात्रों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है। इंजीनियरिंग कॉलेजों ने विद्यार्थियों से माइग्रेशन सर्टिफिकेट जमा करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन सीबीएसई से माइग्रेशन की हार्ड कॉपी न मिलने के कारण छात्र-छात्राएं असमंजस में हैं। सीबीएसई ने सभी छात्रों का माइग्रेशन डिजी लॉकर में उपलब्ध करा दिया है। कई इंजीनियरिंग कॉलेज इसे मानने से इंकार कर रहे हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि कॉलेज प्रबंधन अपनी शर्तें थोपकर उन्हें परेशान कर रहा है। कॉलेज का तर्क है कि राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) डिजी लॉकर की कॉपी को वैध नहीं मानता। इसलिए विद्यार्थियों से 100 रुपये के स्टांप पर शपथ पत्र जमा करने के लिए कहा है। इससे छात्रों पर अनावश्यक आर्थिक और मानसिक बोझ बढ़ रहा है।

टीसी जमा करने पर जोर दे रहे-देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी ने छात्रों के लिए किसी तरह की ऐसी बाध्यता नहीं रखी है। यहां न तो माइग्रेशन की मांग की गई है और न ही किसी प्रकार का शपथ पत्र। विभाग सिर्फ टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) जमा करने पर जोर दे रहा है। इससे यह साफ होता है कि अलग-अलग कॉलेज अपनी सुविधानुसार अलग नियम लागू कर रहे हैं। उधर इस मामले में आरजीपीवी ने स्पष्ट किया है कि कालेजों की यह मनमानी गलत है।

विद्याधाम मंदिर के वेदपाठी बटुकों, रसोइयों और गौसेवकों को कम्बल भेंट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विमानतल मार्ग स्थित श्री श्री विद्याधाम मार्ग पर वेदपाठ का विद्यार्जन कर रहे बटुकों, संतों एवं मंदिर के सेवकों सहित 251 बन्धुओं को बाबाश्री अग्रशक्ति क्लब एवं मित्र मंडल की ओर से समाजसेवी जगदीश गोयल एवं द्वारकादास गोयल के आतिथ्य में कम्बल भेंट कर दक्षिणा भी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुकुल गोयल एवं सौरभ गोयल ने आश्रम पर भोजन बनाने वाले रसोइयों, गौसेवकों एवं अन्य कर्मचारियों का भी सम्मान किया। कार्यक्रम में मुक्ति गोयल अग्रवाल, अरुण गोयल, अजय मित्तल, सोनू अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, शिवनारायण अग्रवाल, शेखर गोयल सहित अनेक समर्पित सेवाभावी बंधु उपस्थित थे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

राम कथा भारतीय संस्कृति का गौरवशाली दस्तावेज - आचार्य शांतनु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देश में आज धर्म, संस्कृति, मर्यादा और चरित्र के नाम पर जो कुछ बचा है वह हमारी मातृशक्ति के त्याग और समर्पण का ही नतीजा है। स्वतंत्र भारत में सबसे बड़ा चिंतन को इस बात का होना चाहिए कि जिस बाबर, गजनी और गजनवी ने हमारे असंख्य मन्दिरों को ध्वस्त किया, हमारी माता-बहनों को बेआबरू किया और सोने की चिड़िया कहे जाने वाले इस देश की अपार धन संपदा एवं वैभव पर डाका डाला, उनके नाम पर कोई स्मारक या मस्जिद का निर्माण कोई कैसे करा सकता है। राम कथा केवल कथा नहीं, भारतीय संस्कृति का गौरवशाली वह दस्तावेज है जिससे देश के जन-जन की आस्था और श्रद्धा जुड़ी हुई है।

भोपाल की ताल के चौपाल से

मैडम का गजब नवाचार, खाकी पर दाग... धुआंधार विधायक जी और वो सदन के किस्से!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश में एक आईएएस महिला अफसर के सख्त कदमों से अफसरशाही में हलचल है। कामचोर इंजीनियरों को सजा दी गई है। एक महिला नेता का कार्यकर्ताओं से माला लेना चर्चा में है। पढ़ें आज के बोल हरि बोल में सियासत और अफसरशाही के ये ताजा किस्से... मध्यप्रदेश की सियासत और अफसरशाही में एक से बढ़कर एक 'ऑफ द रिकॉर्ड' किस्सों ने हलचल मचा रखी है। एक मैडम अपने नवाचार से कामचोरों को धूल चटा रही हैं। पुलिस महकमे में बड़ी गाज गिरने की आहट है। इधर, सदन और सियासत में रिश्तों, तंजों और ताकत के नई रंगत भरे किस्से तैर रहे हैं। हर कोई गपशप का हिस्सा बना हुआ है। आप तो सीधे नीचे उतर आईए और वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

मैडम की ये सख्ती भी खूब है!

एक आईएएस मैडम के नवाचार और सख्ती की इन दिनों खूब चर्चा है। मैडम ने कामचोर इंजीनियरों को ऐसी सजा दी है, जो अपने आप में मिसाल है। वाक्या ऐसा है कि एक बड़े जिले में नगर निगम में इंजीनियरों की लापरवाही के मामले सामने आ रहे थे। बताया जाता है कि ऐसे इंजीनियरों को सबक सिखाने के लिए मैडम ने उनकी ड्यूटी एसआईआर में लगा दी। यहां तक तो ठीक था। इंजीनियरों को बीएलओ का सहायक बनाया गया है। आपको बता दें कि पहले मैडम एक जिले में कलेक्टर थीं। फिर उन्हें नगर निगम में भेजा गया है। वे अपनी अलहदा वर्किंग स्टाइल के लिए पहचानी जाती हैं।

यहीं तो पिछड़ जाती है कांग्रेस...

देवास से आई एक वीडियो क्लिप इन दिनों राजनीतिक गलियारों में मसाला घोल रही है। हुआ यूं कि एक बड़ी महिला नेत्री शहर में पहुंचीं तो कार्यकर्ता फूल-माला लेकर पहुंच गए। सबको उम्मीद थी कि वे कार से उतरेंगी और कार्यकर्ताओं से मिलेंगी, लेकिन अफसोस... कार रुकी जरूर पर नेत्री उतरी नहीं। उलटा, कार के शीशे चढ़ा लिए। पूरा नजारा देखकर कार्यकर्ता मायूस हो गए। जो लोग सुबह से फोटो खिंचवाने की आस लगाए थे, उनकी हसरत पल में धूल हो गई। हालांकि बाद में सफाई आई कि मैडम किसी ऑनलाइन मीटिंग में व्यस्त थीं, इसलिए बाहर नहीं निकलीं। अब इसका क्या फायदा था, कार्यकर्ता तो अपमान का घूंट पी ही चुके थे।

खाकी में होगा बड़ा बदलाव

खाकी के गलियारों में फिलवक्त हलचल तेज है। पुलिस की लगातार हो रही किरकिरी ने आखिरकार डॉक्टर साहब को बड़ा ऑपरेशन करने पर मजबूर कर दिया है। सूत्र बताते हैं कि कुछ जिलों में कप्तान अपनी ही पिच पर मनमानी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उनकी फील्डिंग ढीली है, कप्तानी कमजोर है और वे रन बचाने के बजाय विकेट गिराने में लगे हैं। अब उनके हटने की गिनती शुरू हो चुकी है। जिन कुर्सियों पर महीनों से आराम का मौसम चला था, वहां अब सख्ती का झोंका चलने वाला है। सरकार के माथे पर जो दाग पिछले दिनों पुलिस की हरकतों ने छोड़े हैं, उसे धोने के लिए बड़े स्तर पर फेरबदल की तैयारी है। कौन जाएगा, कौन बचेगा...इस पर कयासों का बाजार गर्म है।

सिंधिया जी तो हमारे हैं!

राजनीति में विचाराधाराएं भले अलग हों, लेकिन जब बात निजी संबंधों की होती है तो सब एक हो जाते हैं। ये वाक्या भी जोरदार है। पिछले दिनों स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर के कक्ष में जब सूबे के पूर्व सीएम कमलनाथ पहुंचे तो उन्होंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का हाल चाल पूछा। जवाब में तोमर ने कहा, अच्छे हैं, स्वस्थ हैं। इसके इतर यहीं बैठे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, सिंधिया जी अब हमारे हैं। विजयवर्गीय की कमलनाथ से प्रगाढ़ता भी खूब हुई। अब राजनीति में ऐसी तस्वीरें कम ही देखने को मिलती हैं, सो अब इस तस्वीर पर तमाम तरह की बातें भी हो रही हैं।

धुआंधार विधायक जी...

मध्यप्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार कब होगा, ये तो किसी को नहीं पता, लेकिन मंत्री बनने की चाह में नेता शक्ति प्रदर्शन करने से चूक नहीं रहे हैं। अब देखिए, न एक विधायक जी ने डॉक्टर साहब का जोरदार अभिनंदन किया। अपने भाषण में उन्होंने डॉक्टर साहब को विक्रमादित्य तक बता दिया। अब प्रति उत्तर में डॉक्टर साहब को तो कुछ कहना था। इसलिए उन्होंने भी विधायक जी को क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली तक की संज्ञा दे दी। डॉक्टर साहब का मंतव्य था कि विधायक जी धुआंधार बल्लेबाजी कर रहे हैं।

नेताजी की क्लास लग गई

सूबे के पूर्व सरकार की वाकपुटता का तो मानो कोई मुकाबला ही नहीं है। सदन में उन्होंने खूब शेरों- शायरी पढ़ीं। बोले- हम आह भी भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम...। उनका यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया, लोगों ने उनकी क्लास लगा दी। किसी ने कहा, एमपी में एमएसपी पर मक्का की खरीदी नहीं हो रही महोदय। शेरों- शायरी से कुछ नहीं होगा आदरणीय, प्रदेश के किसानों की मक्का की खरीदी करवा दीजिए। एमपी में धान का एमएसपी कब बढ़ेगा, 3 साल हो गए चुनाव हुए? आपका रिपोर्ट कार्ड बताइए?

सदन में अपनों से घिरी सरकार

सदन में विपक्ष का विरोध तो आम है, लेकिन इस बार मध्यप्रदेश विधानसभा में जो हुआ, उसके खूब चर्चे हैं। दरअसल, विधानसभा में इस बार सत्ता पक्ष के विधायकों ने ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। कई विधायकों ने ऐसे मुद्दे उठाए, जिनकी सटीक काट सरकार के पास नहीं थी। नतीजा, पहली बार सदन में सरकार की किरकिरी हो गई। यहां तक कि एक मामले में तो विधायक के साथ दो मंत्री भी कूद गए। इसके जवाब में गोल मोल जवाब दिया गया, लेकिन बात नहीं बनी। सूत्रों के अनुसार, इस स्थिति के बाद संबंधित विधायकों से चर्चा कर उनसे समन्वय की कोशिश की गई।

कलेक्टर ने कहा- त्योहार से पहले बाहरी राज्यों से आने वालों पर विशेष निगरानी रखें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मकर संक्रांति पर शहर में बच्चों और प्रवासी भिक्षुकों की संख्या बढने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू किया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि यह पहचान की जाए कि भिक्षुक किन रास्तों और किन क्षेत्रों से शहर में प्रवेश कर रहे हैं तथा कौन-कौन से राज्यों से उनकी आवाजाही बढ़ रही है। इसके आधार पर रोकथाम के साथ-साथ पुनर्वास की विशेष कार्रवाई की जाएगी। दान के पर्व और बढ़ती ठंड में सडक़ों पर फिर से भिखारियों का बोलबाला हो गया है। शहर को भिक्षुक मुक्त रखने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम के साथ तीन विभागों की संयुक्त टीम एक बार फिर सक्रिय कर दी गई है। ये टीम मंदिरों, बड़े बाजारों, मुख्य चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार अभियान चला रही है। विशेष रूप से बच्चों की भिक्षावृत्ति को रोकने पर जोर दिया जा रहा है, क्योंकि पर्वों के दौरान नाबालिग भिक्षुकों की संख्या बढ़ जाती है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने विभाग को निर्देश दिए हैं कि वह सबसे पहले ऐसे राज्यों और क्षेत्र की सूची बनाए, जहां से सबसे अधिक संख्या में भिखारी शहर आ रहे हैं, वहीं उन रास्तों की ट्रैकिंग भी की जाए, जहां से भिखारी की तादाद ज्यादा संख्या में आ रही है। पिछले वर्ष शुरू किए गए अभियान में अब तक करीब 3,000 से ज्यादा भिक्षुक पकड़े जा चुके हैं, जिनमें से कई को पुनर्वास केंद्रों में भेजा गया है। प्रशासन के अनुसार करीब 1,100 लोगों को लघु रोजगार, कौशल प्रशिक्षण या आजीविका कार्यक्रमों से जोड़ा गया है, ताकि वे दोबारा भिक्षावृत्ति की ओर न लौटें।

69वीं राष्ट्रीय शालेय शूटिंग प्रतियोगिता मप्र की हिमांशी का शानदार प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एमराल्ड स्कूल में खेली जा रही 69वीं राष्ट्रीय शालेय शूटिंग प्रतियोगिता के दूसरे दिन पंजाब, सीबीएसई, कर्नाटक, विद्या भारती, केवीएस, राजस्थान और हरियाणा के शूटरों का दबदबा रहा। विभिन्न स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता को रोमांचक बनाया। मेजबान मध्यप्रदेश की ओर से हिमांशी ने एयर पिस्टल स्पर्धा में प्रथम स्थान पर रहते हुए राज्य की चुनौती को मजबूती से बनाए रखा है। उनके प्रदर्शन से प्रदेश के शूटिंग के खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल है।

आज प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए शूटरों से संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इंदौर संभाग अनिता चौहान,

पर्यवेक्षक एसजीएफआई विजय कुमार सिंह, सहायक संचालक (खेल) लोक शिक्षण इंदौर संभाग हेमंत वर्मा, खेल अधिकारी अकरम खान ने परिचय प्राप्त किया गया एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

सम्पादकीय

बिना रुकावट मिड डे मील उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है?

सरकारी स्कूलों के बच्चे आमतौर पर कमजोर तबकों से आते हैं और उनका परिवार कई तरह के अभावों का सामना करता है। ऐसे में शिक्षकों ने बच्चों के मध्याह्न भोजन के लिए जिस स्तर पर सहयोग किया, वह मानवीय पहल, प्रशंसा और प्रेरणा का एक सकारात्मक संदर्भ है। स्कूलों में बच्चों के पोषण का स्तर बेहतर करने और कक्षाओं में उनकी उपस्थिति बढ़ाने के मकसद से मध्याह्न भोजन की महत्वाकांक्षी योजना चलाई जा रही है। मगर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में ऐसे स्कूल भी हैं, जहां के बच्चों को दोपहर का भोजन तो मिल रहा है, लेकिन वह सरकार की ओर से जारी धन के जरिए नहीं, बल्कि शिक्षकों के आपसी सहयोग या दुकानदारों से लिए गए उधार के सहारे। गौरतलब है कि कुल्लू जिले के आनी और निरमंड खंडों के दो सौ सतहत्तर स्कूलों के लिए पिछले तीन महीने से मध्याह्न भोजन का बजट जारी नहीं हुआ है। शिक्षकों को यह आशंका है कि अगर बच्चों को दोपहर का भोजन मुहैया न कराया जाए, तो उनके खिलाफ विभागीय या निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। वहीं बच्चों के पोषण के स्तर में कमी को लेकर भी सवाल उठ सकता है। ऐसे में इस इलाके में स्कूली बच्चों को उनके भरोसे छोड़ने के बजाय शिक्षकों ने अपने बीच आर्थिक सहयोग या फिर आसपास की दुकानों से उधार लेकर मध्याह्न भोजन किसी तरह जारी रखा हुआ है। इसमें कोई दोराय नहीं कि सरकारी बजट की राशि जारी न होने के बावजूद जो शिक्षक आपसी आर्थिक सहयोग के जरिए स्कूल में बच्चों को भोजन मुहैया करा रहे हैं, वे संवेदनशील हैं और अपनी जिम्मेदारी समझते हैं। सरकारी स्कूलों के बच्चे आमतौर पर कमजोर तबकों से आते हैं और उनका परिवार कई तरह के अभावों का सामना करता है। ऐसे में शिक्षकों ने बच्चों के मध्याह्न भोजन के लिए जिस स्तर पर सहयोग किया, वह मानवीय पहल, प्रशंसा और प्रेरणा का एक सकारात्मक संदर्भ है। निश्चित तौर पर शिक्षकों ने अपनी मानवीय भूमिका का निर्वाह किया। मगर सवाल है कि व्यवस्थागत रूप से मध्याह्न भोजन निर्बाध उपलब्ध कराना किसकी जिम्मेदारी है? राशि की कमी की वजह से बच्चों को दोपहर के भोजन में अड़चन आने की स्थिति में शिक्षकों के भीतर विभागीय कार्रवाई का डर क्यों बैठा? अगर सरकार के कामकाज का तरीका ऐसा है कि किसी जिले के दो खंडों के करीब पौने तीन सौ स्कूलों में मध्याह्न भोजन के लिए, राशि जारी नहीं होती, तो इसके लिए कौन जवाबदेह है?

बनारस के साथ पान इंदौर की भी सांस्कृतिक पहचान

भारत में पान के सेवन का पुराना प्रचलन है। आधुनिक होते समाज में पान परिवारों से जुदा होकर पान की आधुनिक रुप से सजीधजी पान (दुकानो) शाप पर मिलने लगे है। याद करो तो स्मृति के पटल पर नानी-दादी की पान की टोकरी घूमती दिखाई देती है, जिसमे गीले कपडे में बंधे पान के पत्ते, लोंग, इलायची, सूखा कत्था, चुना, सुपारी और सरोता रखा होता था। यह नानी-दादी की सबसे कीमती टोकरी होती थी।

इस टोकरी से छेड़छाड़ नाफ़रमानी समझी जाती थी, पान की टोकरी से छेड़छाड़ करने पर आपको नानी-दादी का कोपभाजन भी बनना पड़ता था। कुलमिलाकर कहे तो खानदानी परिवारों में चाय के बाद पान पर ही लम्बी चर्चा होती थी। पान बनाते हुए गाँव, खेत, खलियान से जुडी बातें, देश की राजनीति से जुडी सामयिक चर्चाए, नाना-नानी, दादा-दादी से जुडी पुरानी बाते, मुंह के एक और पान का बीड़ा दबाए कही जाती थी।

पान केवल लबों की शान ही नही, यह स्वादिष्ट जायका है। जिसके सेवन से शरीर में स्फूर्ति आती है। दिमाग़ तरोताज़ा हो जाता है। वैसे हर गांव, शहर, महानगर में चाय की दुकान, हेयर सेलून के बाद या पहले सार्वजनिक चर्चा और जानकारी के केंद्र यह पान की दुकान ही मानें जाते है। इसे वर्तमान समय का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा की पान की दुकान के नाम पर नुकसान दायक पाउच जर्दा एवं सिगरेट की दूकानों की भरमार हो गयी है। जबकि पान स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इसका सेवन भोजन के उपरांत करने से हाजमा ठीक रहता है।

भारत में पान कल्चर सदियों से प्रचलित है। यहां तो पान के पत्ते भी बांग्ला, मद्रास, बनारसी, कपुरी, सोहागपुरी, रामटेकी, महोबा जैसे क्षेत्रीय नामो से होते है। पान हमारी संस्कृति के ताने-बाने में कुछ इस तरह रचा बसा है की इसे नजरअंदाज करना मुश्किल है। यह सर्वमान्य और चिकित्सकीय सत्य है की पान सेहत के लिए रामबाण है। सेहत के लिए बेहतरीन पान संस्कृत के शब्द पर्ण से लिया गया है, जिसका मतलब पत्ता होता है। पान का जिक्र पौराणिक कथाओ के साथ आयुर्वेदिक औषधि के रुप में भी किया जाता है। पान का आकार मानव के दिल के आकार का होता है। इसका सेवन दिलो को जोड़ने, दिलो को खुश करने एवं दिल की बाते लबो पर लाने के लिए किया जाता है। निमाड़ की ग्रामीण संस्कृति में लगने वाले पाराम्परिक मेलों में पान का बड़ा महत्व है। यहां आकर्षक कलरफुल मसालो से भरा पान खाकर ग्रामीण महिला-पुरुष ख़ुशी एवं आनंद से भर जाते है।

पान का भारतीय संस्कृति में महत्व का परिणाम ही है की पान से जुड़े गाने फ़िल्मी परदे का हिस्सा बन सके। बॉलीवुड में पान को लेकर बने यादगार गानों में अव्वल नम्बर पर वर्ष 1978 में निर्मित फ़िल्म डान का गीत जिसे सुपर स्टार अमिताभ बच्चन ने गाया था। 'खाई के पान बनारस वाला' जिसकी शूटिंग के दौरान अधिक पान खाने से अमिताभ के मुंह में छाले हो गए थे। पान चबाते चबाते उनका मुंह जल गया था। पान से जुड़े चर्चित नगमों में ' पान खाए सैया हमारो, सावली सुरतिया होंठ लाल-लाल' फ़िल्म शोले, 'चली आना तू पान की दुकान पर साढ़े तीन बजे' फ़िल्म आज का अर्जुन शामिल है। ये नग्मे अक्सर पान की रंगीन संस्कृति और उसकी मिठास को गीत के बोलो में बुनते है। इन गानों में पान को न सिर्फ एक जायके के रूप में, बल्कि भावनाओं और माहौल को रंगने वाले प्रतिक के तौर पर इस्तेमाल किया गया है।

भारत के सांस्कृतिक केंद्र इतिहास, संस्कृति एवं पर्यटन के संगम स्थल बनारस में पान का महत्व बहुत अधिक है जिसका कारण वेदों पुराणों में वाराणसी को पान का भंडार कहा गया है। काशी के राजाओ ने पान को राज सजावट और अतिथि सत्कार का हिस्सा बनाया जिसमे यह धीरे-धीरे शहर की पहिचान बन गया।

एमपी का शहर इंदौर भी पान के बेहतरीन जायके के रुप में अपनी पहिचान रखता है। इस शहर में हर चौराहे पर पान कि सजी धजी दुकाने स्थित है। अभी 4 नवम्बर को इंदौर के जाने-मानें सरकारी तंबोली राम नारायण चौरसिया का निधन हो गया। यह पान के बड़े एवं पुराने व्यवसाई मानें जाते है। जिनके परिवार को होल्कर राज परिवार द्वारा सरकारी तंबोली का तमका दिया गया था। इंदौर कोठारी मार्केट के सामने स्थित पान की दुकान पर पान खाने एवं यहां लगे चित्रों, पेपर कटिंग देखकर अहसास हुआ की यह पुरानी दुकान है जिसका संबंध और निकटता होल्कर राज घराने से रही है। यहां का पान खाने में स्वादिष्ट और जायकेदार होता है। इसी शहर में पान की दुकानों पर करणावत ब्राड का प्रभाव भी दिखाई देता है। जानकारी के अनुसार करणावत की दुकानों पर बेहद स्वादिष्ट एवं अलग-अलग किस्मो के पान मिलते है। इंदौर शहर में करणावत की 45 से अधिक दुकाने संचालित है। इन्होने पान के साथ अब भोजन प्रसादी के भी आउट लेट खोले है जो 80 से 100 रू में भोजन कराते। पान के साथ भोजन प्रसादी करणावत परिवार कि सेवा गतिविधि कही जा सकती है। इतनी कम राशि में सम्मान से भरपेट भोजन वह भी आउटलेट खोलकर वह भीस्वयं सेवा के यह स्टाल करणावत कि ख्याति में चार चाँद लगा रहे है। इंदौर में करणावत पान का अपना जायका है। इस पान की विशेषता लबों को सुर्ख कर देने वाला कत्था है। सूत्रों के अनुसार इंदौर की दुकानों के लिए स्पेशल कत्था एक ही स्थान से पहुंचाया जाता है।

पान भारत के हर प्रदेश में मिलता है। यह भोजन उपरांत आमजन की जबान की मांग को दर्शाता है। मुंबई में पान की दुकानों को देखने पर पाया की यूपी के चौरसिया यहां अधिकांश पान दुकानों के संचालक है। लखनऊ में पान के नवाबी अंदाज के दर्शन हुए। हर शहर में पान के अपने रंग है। किंतु अब पान की यह दुकाने मानव शरीर को नुकसान पहुंचाने वाली तम्बाकू, कीमाम, चटनी और नुकसान दायक पाउच का इस्तेमाल बहुतायत में करने लगी है। पान की दुकानों पर पान कम पाउचो की लड़िया करीने से सजी होकर युवा वर्ग को आकर्षित करती है। राज्य सरकारों को तम्बाकू युक्त जहरीले जानलेवा पाउचों पर सख्त प्रतिबंध लगाना चाहिए। महाराष्ट्र राज्य में यह प्रतिबंध राज्य सरकार ने लगाया किंतु जानकार सूत्र बताते है की तम्बाकू युक्त पाउचों की तस्करी पड़ोसी सीमावर्ती राज्यों से की जाती है। यह तस्करी महाराष्ट्र और गुजरात से बड़े पैमाने पर जारी है। इंदौर से धुलिया, नाशिक, पूना, मुंबई और अन्य महानगरो में ट्रेवल्स की बसों के माध्यम से नकली गुटका महाराष्ट्र पहुंचाया जाता है। गुजरात से भी तम्बाकू युक्त नकली पाउच महाराष्ट्र जाने की चर्चाए आमजन के मध्य चलती रहती है। तस्करी के इस गौरख धंधे में महाराष्ट्र, एमपी एवं गुजरात पुलिस का भष्ट रवैय्या नागरिक समाज के शारीरिक सुधार के लिए, राज्य सरकार के प्रयासों को पलिता लगाने वाला है। शुद्ध पान जिसमे लोंग,इलायची, सौंफ, चुना, कत्था, पिपरमेंट युक्त हो मानव शरीर के लिए औषधि का कार्य करता है।

पान बनारस में जहां संस्कृति की पहिचान है। बरसो से काशी के पान विश्व विख्यात है। आज भी बनारस के पान स्वाद से भरपूर है। इंदौर में भी पान का इतिहास राजा महाराजों के दरबार से जुडा है। इंदौर के सरकारी तम्बूली की दुकान पर दिखा पुराना इतिहास तो यही कहता प्रतीत हो रहा है, जिसे करणावत ने नया जायका दिया है।

नरेंद्र तिवारी 'स्वतंत्र लेखक'
7, शंकर गली मोतिबाग सेंधवा जिला बड़वानी मप्र।

आंचलिक

खेल महोत्सव में गूंजा टंट्या मामा का गीत सांसद सोलंकी ने ढोल मांदल बजाया

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● खरगोन के भगवानपुरा में रविवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा प्रदेश महामंत्री और राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी शामिल हुए। उन्होंने आदिवासी वीर टंट्या मामा की वीरता को समर्पित गीत 'खूब मारिया न असा तीर टंट्या मामा, नई देखियो वीर टंट्या मामा' सुनाया, जिस पर लोगों ने तालियां बजाकर उनका साथ दिया। सांसद सोलंकी ने आदिवासी क्षेत्र के लोगों को देसी खेलों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा पर जोर देते हुए उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया। उत्कृष्ट स्कूल मैदान पर आयोजित इस महोत्सव के दौरान डॉ. सोलंकी ने आदिवासी ढोल मांदल भी बजाया। उन्होंने छात्रों से संवाद कर उन्हें खेलों के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आदिवासी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इसके अलावा, जनप्रतिनिधियों की टीम और बालिका वर्ग के बीच कबड्डी का एक रोमांचक मुकाबला भी हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे, बड़वानी के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम सोनी, सुगन कौर जाधव, महोत्सव प्रभारी लक्ष्मण काग, चंदरसिंह वास्कले, प्रभारी प्रकाश भावसार, सुभाष पंवार, बापूसिंह परिहार, जनपद अध्यक्ष महेंद्र किराड़े, उपाध्यक्ष संदीप राठौर, पूर्व विधायक जमनासिंह सोलंकी, विजयसिंह पटेल और बिस्टान नगर परिषद अध्यक्ष डेमसिंह नार्वे सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

खंडवा को नई ट्रेन की सौगात, काशी एक्सप्रेस को ठहराव, नांदेड़ से टनकपुर के लिए चलेगी साप्ताहिक ट्रेन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। रेल मंत्रालय ने हुजूर साहिब नांदेड़ से टनकपुर के बीच नई साप्ताहिक ट्रेन (17631/32) चलाने की घोषणा की है, जिसका खंडवा में भी स्टॉपेज होगा। यह ट्रेन खंडवा से उत्तराखंड की ओर सीधी रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इसके साथ ही काशी एक्सप्रेस के ठहराव को लेकर भी बड़ी राहत दी गई है।

नांदेड़ से रवानगी: यह ट्रेन प्रत्येक रविवार को रात 23:40 बजे नांदेड़ से रवाना होगी। सोमवार सुबह खंडवा पहुंचेगी और मंगलवार को सुबह 5:55 बजे टनकपुर पहुंचेगी।

वापसी (टनकपुर से): वापसी में यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को सुबह 9:00 बजे टनकपुर से रवाना होगी। बुधवार सुबह खंडवा पहुंचेगी और शाम 16:30 बजे नांदेड़ पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव

नई ट्रेन के रूट में कई प्रमुख शहर शामिल हैं। यह ट्रेन हुजूर साहिब नांदेड़, पूर्णा, बसमत, हिंगोली, वाशिम, अकोला, मलकापुर, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, ललितपुर, झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, कासगंज, बदायूं, बरेली जंक्शन, इज्जतनगर, पीलीभीत और टनकपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

काशी एक्सप्रेस का 2 स्टेशनों पर ठहराव बहाल

यात्रियों की मांग को देखते हुए ट्रेन संख्या 15017/18 लोकमान्य तिलक टर्मिनल-गोरखपुर 'काशी एक्सप्रेस' का ठहराव खंडवा-इटारसी रूट पर आने वाले दो छोटे स्टेशनों पर मंजूर किया गया है।

नोडल अधिकारी ने बीएलओ को उठाकर पटकने कहा, खंडवा में ओटीपी न देने पर गालियां देने का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम यानी स्क्रूक सर्वे के दौरान विवाद का मामला सामने आ गया। बीएलओ और उसकी टीम का आरोप है कि पूर्व से विवादित नगर निगम के कर्मचारी ने बतौर नोडल अधिकारी ने पहले एक महिला बीएलओ से बदतमीजी से बात की, फिर बीएलओ के सहयोगी से कहा कि तुझे उठाकर पटक दूंगा। मामला शहर के रामनगर क्षेत्र का है, सर्वे में लगी टीम ने नोडल अधिकारी अंकित सिंह पंवार को मौके पर बुलाया। आरोप है कि अंकित जैसे ही रामनगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र पर पहुंचा तो माफी मांगने की बजाय बीएलओ और उनके सहयोगियों ने तू-तड़ाक से बात करने लगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व बीएलओ सुनंदा पाटिल सहित उनके सहयोगी दोनों टीचर ने अंकित को भी खरी-खोटी सुना दी। लेकिन इस दौरान अंकित अफसरशाही से बाज नहीं आ रहा था। तभी बीएलओ की टीम ने पूरे मामले को लेकर खंडवा एसडीएम से शिकायत की।

डिलीवरी बॉय ने इयरफोन लगाकर फांसी लगाई, परिजन बोले- रात 11 बजे घर लौटा था

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● कान में ब्लूटूथ इयरफोन लगाकर एक युवक फांसी के फंदे पर लटक गया। वह ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी के लिए डिलीवरी ब्वॉय का काम करता था। ड्यूटी खत्म होने के बाद देर रात वह घर लौटा था। आज रविवार सुबह परिजन ने उसे कमरे में फांसी पर लटका देखा। मामले की सूचना पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद किया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मामला खंडवा जिले के मूंदी नगर के घोड़ाघाट क्षेत्र का है। मृतक की पहचान 25 वर्षीय नारायण वर्मा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मृतक नारायण के पिता हुकुम वर्मा लकवाग्रस्त है। नारायण की शादी नहीं हुई थी। वह उनकी इकलौती संतान होकर देखभाल में लगा था। कुछ सालों से वह बीड़ रोड स्थित एक सेंटर पर नौकरी करता था, जहां से ऑनलाइन ऑर्डर पर आने वाले सामान को ग्राहकों के घर जाकर डिलीवरी करता था। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और शव बरामद किया।

सांसद पटेल ने रेललाइन सर्वे का मुद्दा उठाया: अलीराजपुर-खंडवा परियोजना को मिशन मोड में पूरा करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●महेश्वर सांसद गजेंद्रसिंह पटेल ने संसद के शून्यकाल में अलीराजपुर-बड़वानी-खरगोन-खंडवा प्रस्तावित रेल लाइन के सर्वेक्षण की प्रगति का मुद्दा उठाया। उन्होंने परियोजना को 'मिशन मोड' में पूरा करने का आग्रह किया। सांसद पटेल ने वर्ष 2024-25 की सर्वेक्षण सूची में इस नई ब्रॉडगेज लाइन को अंतिम स्थान सर्वेक्षण में शामिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने जानकारी दी कि रेललाइन के अंतिम सर्वेक्षण के लिए स्वीकृत 6.25 करोड़ रुपए की राशि से परियोजना का ड्रोन मैपिंग कार्य जारी है। यह महत्वपूर्ण रेल लाइन पूर्वी और पश्चिमी निमाड़ के पांच जिलों को जोड़ेगी, जिससे क्षेत्रीय विकास, आर्थिक गतिविधियों और यातायात सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा। सांसद ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्र, नर्मदा नदी का विस्तृत कटाव क्षेत्र और उपजाऊ कृषि भूमि जैसे भू-भौतिकीय कारकों के कारण सर्वेक्षण प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने रेल मंत्रालय से राज्य सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर इंजीनियरिंग डिज़ाइन को शीघ्र अंतिम रूप देने और भूमि अधिग्रहण के लिए धारा 20 की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आग्रह किया।

महेश्वर नर्मदा तट पर बनारस की तर्ज पर आरती शुरू संत और नगरवासी अनुष्ठान में बने सहयोगी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●महेश्वर के नर्मदा तट पर शनिवार को बनारस की गंगा आरती की तर्ज पर नर्मदा आरती का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन मां नर्मदा भक्त मंडल के तत्वाधान में और आयोजनकर्ता गजराज यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शाम 7 बजे शुरू हुई इस आरती में सप्तमातृका वेद सेवा मठ के महंत स्वामी समानन्द गिरि और रंगधाम आश्रम मंडलेश्वर के द्वारकादास बापू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने इस धार्मिक अनुष्ठान में अपनी सहभागिता दी। आरती के शुभारंभ से पहले, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जिला संयोजक बलराम खटीक के नेतृत्व में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान भारत माता का पूजन भी किया गया। नर्मदा तट को भगवा ध्वजों से सजाया गया था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक रौनक सोनी और उनकी इकाई ने भी कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। आयोजनकर्ता गजराज यादव ने बताया कि मां नर्मदा भक्त मंडल 20 वर्षों से अधिक समय से सामने घाट पर प्रतिदिन रात 8 बजे आरती करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि बनारस के दशमेध घाट की तर्ज पर एक सुर और एक जैसी मुद्राओं में आरती करने का यह सपना अब साकार हुआ है।आरती को लेकर विद्वान पंडितों ने विशेष प्रशिक्षण भी आयोजित किया था।

निजी अस्पतालों की ओपीडी बंद, अस्पताल का लाइसेंस रद्द, आईएमए की 48 घंटे की हड़ताल का दूसरा दिन

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●निजी अस्पतालों की ओपीडी सेवाएं लगातार दूसरे दिन भी बंद रहीं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के आह्वान पर अस्पताल केवल आपातकालीन सेवाएं दे रहे हैं। यह हड़ताल एक निजी अस्पताल पर हुई प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में की जा रही है। 11 नवंबर को लालबाग रोड स्थित हकीमी अस्पताल में जैनाबाद निवासी वैष्णवी चौहान की गर्भाशय ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने डॉक्टर रेहाना बोहरा पर लापरवाही का आरोप लगाया। इसके बाद परिजन पांच दिन तक भूख हड़ताल पर बैठे और मामला तूल पकड़ गया। सीएमएचओ डॉ. आरके वर्मा ने 5 दिसंबर की रात हकीमी अस्पताल का नर्सिंग होम पंजीयन और लाइसेंस रद्द कर दिया। इसी कार्रवाई के विरोध में ब्रूक ने 48 घंटे की हड़ताल की घोषणा की, जो अब दूसरे दिन भी जारी है।

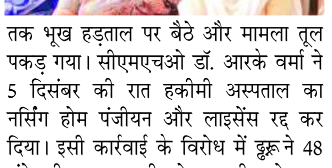

मेसी के शानदार प्रदर्शन से इंटर मियामी ने पहली बार जीता एमएलएस कप फुटबॉल

फोर्ट लॉडरडेल (एजेंसी) ● अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलरा लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन से उनके क्लब इंटर मियामी ने वैंकूवर व्हाइटकैप्स को 3-1 से हराकर पहली बार एमएलएस कप फुटबॉल जीता है। इस मैच में वैंकूवर की ओर से खेलने वाले जर्मनी के थॉमस मुलर असफल रहे। एमएलएस कप के साथ ही मेसी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी जीती है। मेसी ने इस मुकाबले में दो गोल किये। वहीं मुलर ने इससे पहले के 10 मुकाबलों में से 7 मुकाबलों में अपनी टीम को जीत दिलायी थी। ये पहले पहली बार है जब वह मेसी के सामने टिक नहीं पाये। मुलर के रहते ही जर्मनी ने दो बार विश्व कप में अर्जेंटीना को हराया था पर एमएलएस फाइनल में इस बार मेसी पूरी तरह से हावी रहे। इससे मेसी ने अपनी उपयोगिता एक बार फिर साबित की है। उन्हेंने दिखाया है कि वह बड़े अवसरों पर अपने प्रदर्शन का जादू दिखाते हैं। मेसी ने मैच के 72वें मिनट में अच्छा मूव बनाया और रोड्रिगो डी पॉल को गेंद दी। रोड्रिगो ने अपनी टीम की ओर से तीसरा गोल दागकर उसकी जीत तय कर दी। इसी के साथ ही इंटर मियामी ने पहली बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत के बाद मेसी ने कहा: 'तीन साल पहले मैंने इस क्लब में आने का अभी से मेर लक्ष्य टीम को ये खिताब जिताना था।

छोटे पर्दे पर धूम मचा रही हैं स्मृति ईरानी

मुंबई (एजेंसी) ● छोटे परदे की अभिनेत्री स्मृति ईरानी छोटे पर्दे पर धूम मचा रही हैं। स्मृति ईरानी के लोकप्रिय शो का दूसरा सीजन 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' ऑन एयर हो चुका है। शो की सफलता के साथ-साथ स्मृति ईरानी की पारंपरिक साड़ियों का अंदाज भी चर्चा में है, जिसने दर्शकों और फैशन प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया है। इन खूबसूरत और पारंपरिक साड़ियों के पीछे हैं प्रसिद्ध डिजाइनर गौरांग शाह, जिन्हें स्मृति ईरानी ने सोशल मीडिया पर दिल से धन्यवाद दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर गौरांग शाह का पोस्टर रिपोस्ट करते हुए लिखा 'आपकी कला विरासत के प्रति देखभाल और सम्मान के साथ धागों को जीवंत करती है, गौरांग शाह। सपोर्ट के लिए धन्यवाद।'

उनकी यह पोस्ट साफ जताती है कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2' में गौरांग द्वारा डिजाइन की गई पारंपरिक साड़ियों का उपयोग हो रहा है। गौरांग शाह भारतीय वस्त्र कला की दुनिया में एक बेहद बड़ा नाम हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी खास पहचान रखते हैं। वे खासतौर पर पारंपरिक भारतीय बुनाई और हैंडलूम कला के प्रोत्साहन के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्ध जामदानी बुनाई की साड़ियां क्लासी और बेहद मेहनत से तैयार की जाती हैं, जिनका जादू बॉलीवुड से लेकर वैश्विक रैंप तक देखने को मिलता है।

सचिन के 100 शतकों के रिकार्ड की बराबरी कर सकते हैं विराट : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी) ● सुनील गावस्कर ने कहा है कि आने वाले समय में विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के शतकों के शतक वाले विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। गावस्कर के अनुसार विराट अपनी जबरदस्त फिटनेस के कारण 2027 विश्वपक के बाद भी खेल सकते हैं। विराट इस समय केवल एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। विराट के अभी अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 84 शतक हैं। वे पहले से ही एक प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक लगाने बल्लेबाज हैं। गावस्कर ने कहा, अगर वह तीन साल और खेलते हैं तो उसे शतकों का शतक लगाने 16 शतक और चाहिए। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में 302 रन बनाए। गावस्कर ने मुकाबले के बाद कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उससे उसके लिए कुछ भी संभव है, उसने तीन मैचों की सीरीज में दो शतक बनाए हैं। अब अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दो और शतक बनाता है, तो वह 86 तक पहुंच जाएगा। इसलिए उसके 100 तक पहुंचने की काफी संभावनाएं हैं। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, उससे लग रहा है कि वह काफी आराम से खेल रहा है। जिस तरह से अंतिम एकदिवसीय में बल्लेबाजी की उससे उसके अच्छे फार्म का अंदाजा होता है। भारतीय टीम को विश्वकप 2027 तक करीब 35 एकदिवसीय मैच खेलने हैं। ऐसे में उसके लिए 16 शतक लगाना ज्यादा कठिन नहीं है। वहीं अगर वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलता है तो आसानी से 100 शतकों तक पहुंच जाएगा। ये तो ये है कि वह 90 से ज्यादा शतक तक पहुंच जाएगा।

अलग-अलग कोच की मांग रखने वालों पर बरसे गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारुप में अलग-अलग कोच रखने की बात करने वालों को आड़े हाथों लिया है। गंभीर ने एकदिवसीय प्रारुप में टीम की जीत के बाद लाल और सफेद गेंद के प्रारुपों में अलग-अलग कोच रखे जाने की बातों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इस प्रकार के बचान देने वाले अपनी सीमा में रहें। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद कुछ लोगों ने कहा था कि दोनों ही प्रारुपों में अलग-अलग कोच होने चाहिये। इसपर गंभीर ने नाराजगी जतायी है। गंभीर ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज को 2-1 से जीतने के बाद कहा, टेस्ट में परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि किसी भी मीडिया कर्मी ने एक बार भी यह नहीं कहा कि हमें पहले टेस्ट में कप्तान शुभमन गिल को गर्दन में अकड़न के बाद दूसरी पारी में उनके बिना उतरना पड़ा था। गंभीर ने कहा, कुछ टीम मालिकों ने भी अलग-अलग कोच बनाये जाने की राय रखी है। ऐसे लोगों को जो क्रिकेट के बारे में अधिक नहीं जानते अपना ज्ञान नहीं देना चाहिये। इन दोगों को अपनी हद में रहना चाहिये। गंभीर ने कहा में हार पर अपनी गलतियों को मानता हूं। ऐसे में मीडिया को भी सही हालतों के बारे में बताना चाहिये।

'मस्ती 4' में अपनी छवि को लेकर था डर : एलनाज नोरोजी

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्मों व वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रिया पहले से कहीं अधिक विभाजित दिखाई देती है। ऐसे माहौल में जब कोई अभिनेता या अभिनेत्री एडल्ट-कॉमिडी जैसी संवेदनशील शैली में काम करने का निर्णय लेता है, तो यह उनके करियर के लिए एक बड़ा और जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। इसी तरह की स्थिति का सामना अभिनेत्री एलनाज नोरोजी को तब करना पड़ा, जब उन्हें 'मस्ती 4' जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का प्रस्ताव मिला। एक खास बातचीत में एलनाज नोरोजी ने बताया कि शुरुआत में वे इस फिल्म के लिए उत्साहित कम और आशंकित ज्यादा थीं। उन्होंने कहा कि आज की ऑडियंस बोल्ड कॉमेडी को लेकर बहुत संवेदनशील हो चुकी है और इस तरह की फिल्मों पर लोगों की प्रतिक्रिया काफी तेज और कभी-कभी नकारात्मक भी होती है। उनके अनुसार कलाकार पर इस बात का बड़ा दबाव होता है कि ऐसे किरदार से उनकी छवि पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें भी डर था कि कहीं 'मस्ती 4' में काम करने से उनके बारे में गलत धारणा न बन जाए। हालांकि, जैसे-जैसे उन्होंने फिल्म की कहानी पढ़ी और उसके कॉन्सेप्ट को समझा, उनका नजरिया धीरे-धीरे बदलता गया। एलनाज ने कहा कि 'मस्ती 4' केवल चुटकुलों और हल्की-फुल्की मजाकिया स्थितियों पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें नए तत्व और अलग अंदाज का मनोरंजन जोड़ा गया है। उनके मुताबिक, फिल्म पहले के पार्ट्स की तुलना में अधिक आधुनिक और परिपक्व प्रस्तुति की कोशिश करती है। इसी वजह से उन्होंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का निर्णय लिया।

उज्जैन संभाग

12 दिन भस्म-आरती ऑनलाइन बुकिंग बंद, महाकाल मंदिर में 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक ऑफलाइन ही मिलेगी परमिशन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●अगर आप नव वर्ष पर महाकालेश्वर मंदिर दर्शन की योजना बना रहे हैं तो यह जानकारी आपके लिए जरूरी है। महाकाल मंदिर समिति ने 25 दिसंबर 2025 से 5 जनवरी 2026 तक भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग बंद कर दी है। इस दौरान केवल ऑफलाइन बुकिंग के आधार पर ही भस्म आरती में शामिल हुआ जा सकेगा।मंदिर समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार 31 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने का अनुमान है। भीड़ को व्यवस्थित रखने, सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

नव वर्ष पर महाकालेश्वर मंदिर जाने वालों को सुझाव दिया गया है कि वे पहले से योजना बनाएं और समय से पहुंचकर ऑफलाइन बुकिंग कराएं, ताकि भस्म आरती व दर्शन में कोई दिक्कत न आए।

भारी भीड़ की आशंका, व्यवस्था में किए गए बदलाव

नव वर्ष के मौके पर महाकाल मंदिर में देशभर से भक्तों का सैलाब उमड़ता है। इसी को देखते हुए समिति ने दर्शन एवं भस्म आरती प्रबंधन में विशेष बदलाव लागू किए हैं। सुरक्षा व व्यवस्थापन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती और रूट प्लान तैयार किया है।

श्रद्धालुओं के लिए चलित भस्म आरती व्यवस्था

जो भक्त बिना परमिशन के भी भस्म आरती दर्शन करना चाहते हैं, उनके लिए, मंदिर समिति ने चलित भस्म आरती व्यवस्था भी शुरू की है। भक्त लाइन में लगकर दूर से भस्म आरती के दर्शन कर सकेंगे, जिससे भीड़ में भी दर्शन सुचारू रूप से हो सकें।

दर्शन व्यवस्था भी बदलेगी

कौशिक ने बताया कि नव वर्ष पर श्रद्धालु त्रिवेणी संग्रहालय से एंट्री कर महाकाल लोक होते हुए मान सरोवर और फिर टनल से होते हुए गणेश मंडपम से दर्शन कर एग्जिट टनल से बाहर होते हुए बड़े गणेश मंदिर के सामने से बाहर होंगे। इस दौरान ऑफलाइन व्यवस्था के तहत एंट्री मिलेगी। एक दिन पहले आकर फॉर्म भरने होंगे, अनुमति दर्शनार्थियों की संख्या के आधार पर ही मिल सकेगी।

लड्डू प्रसादी भी ज्यादा बनेगी

प्रशासक ने बताया कि देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए लड्डूओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सामान्य दिनों में रोजाना 30 से 40 क्विंटल के बीच लड्डू प्रसादी बनाई जाती है, लेकिन नव वर्ष के दिनों के लिए 50 क्विंटल से अधिक बनाई जाएगी। साथ ही आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जूता स्टैंड की संख्या उनके पानी शौचालय की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए हैं।

'नो पॉलिथीन-नो सिंगल यूज प्लास्टिक' अभियान, टेडी बियर ने की अपील- कपड़े और कागज के बैग अपनाएं

दैनिक इंदौर संकेत

आगर - मालवा ● आगर नगर पालिका परिषद ने 'नो पॉलिथीन-नो सिंगल यूज प्लास्टिक' अभियान के तहत शहर में एक व्यापक स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह अभियान स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए नागरिकों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए चलाया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष निलेश जैन पटेल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुशाल सिंह डोडवे, पार्षद प्रतिनिधि जगदीश गवली, रानुराज नरवाल, योगेश योगी और स्वच्छता निरीक्षक बसंत दुलगज सहित नगरपालिका कर्मचारियों तथा एस.के. वेस्ट मैनेजमेंट सर्विसेज की टीम ने सक्रिय भागीदारी की।

अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों, बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में स्वच्छता का संदेश दिया गया। 'पॉलिथीन दानव' और 'टेडी बियर' जैसे प्रतीकों के माध्यम से लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। टीम ने बाजारों का भ्रमण कर व्यापारियों और दुकानदारों को पॉलिथीन का उपयोग बंद करने और पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने की समझाइश दी। नागरिकों को कपड़े और कागज के बैग उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। नगर पालिका ने सभी नागरिकों से प्लास्टिक मुक्त नगर बनाने में सहयोग देने और स्वच्छता को दैनिक आदत बनाने की अपील की है, ताकि एक स्वच्छ, स्वस्थ और बेहतर आगर शहर का निर्माण हो सके।

छत से गिरने से युवक की मौत, भाई को कॉल कर बोला था- जान को खतरा है

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में रहकर ढाबे पर कारीगर का काम करने वाले 28 वर्षीय मनीष मालवीय की शनिवार देर रात छत से गिरने पर मौत हो गई। परिवार ने घटना पर संदेह जताते हुए जांच की मांग की है। घटना से डेढ़ घंटे पहले युवक ने भाई को फोन कर अपनी जान को खतरा बताया था। मनीष मूल रूप से शाजापुर जिले के गुढ़लिया गांव का रहने वाला था। नीलगंगा थाना क्षेत्र के गधा पुलिया, शिवाजी नगर में रहने वाले मनीष मालवीय (28) देर रात घर की छत से गिर गया। गंभीर चोट आने के बाद उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मनीष विगत तीन साल से उज्जैन में रहकर ढाबों और रेस्टोरेंट में कारीगर का काम करता था।

परिवार ने जताया संदेह

मनीष शाजापुर जिले की गुलाना तहसील के ग्राम गुढ़लिया का निवासी था। गांव के सरपंच जीवन सिंह परमार ने बताया कि मौत की सूचना उन्हें शनिवार रात एक लड़की ने फोन पर दी थी। परिवार का आरोप है कि घटना से कुछ देर पहले मनीष ने अपने भाई को फोन कर बताया था- 'डेढ़ लाख रुपए नहीं दिए तो ये लोग मुझे मार देंगे'। 'इस कॉल के करीब डेढ़ घंटे बाद उसकी छत से गिरने की सूचना मिली।

तीन साल से अकेले रह रहा था

मनीष की शादी नहीं हुई थी और वह तीन वर्षों से उज्जैन में अकेले रहकर काम कर रहा था। उसका परिवार शाजापुर जिले में रहता है। परिवार का कहना है कि मनीष किसी आर्थिक दबाव या विवाद में उलझा हुआ था, जिसका पता उसकी अंतिम कॉल से चलता है। परिजन और ग्राम गुढ़लिया के सरपंच ने पुलिस से पूरे मामले की विस्तृत और निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवा दिया है और जांच जारी है।

शादी से लौट रहे युवकों की कार को आयशर ने मारी टक्कर, दर्दनाक सड़क हादसे में दोनों की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● रात देवास रोड पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में स्कॉर्पियो सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों अपने दोस्त की शादी में शामिल होकर उज्जैन लौट रहे थे कि मताना गांव के पास उनकी कार सामने से आ रहे वाहन से टकरा गई। देवास रोड पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक अपने दोस्त की शादी में शामिल होकर नरवर से लौट रहे थे। मताना गांव के पास तेज रफ्तार आयशर वाहन ने उनकी स्कॉर्पियो को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात करीब साढ़े तीन बजे हुआ। मृतकों की पहचान विशाल पिता भुवनसिंह (निवासी ग्राम तोड़ी, जिला राजगढ़) और संदीप पिता सजनसिंह पटेल (निवासी ग्राम असलाना, तहसील बड़नगर) के रूप में हुई है। दोनों अपने दोस्त पवन सोनी की शादी में शामिल होने नरवर गए थे।

लागत भी नहीं निकाल पा रहा प्याज का दाम किसानों ने सड़क पर फेंकी फसल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● इस बार प्याज की बंपर आवक हुई है, लेकिन उचित मूल्य न मिलने के कारण किसानों का आक्रोश फूट पड़ा है। उज्जैन जिले के कई किसानों ने प्याज के भाव नहीं मिलने पर अपनी फसल सड़कों पर फेंक दी है। किसानों का स्पष्ट कहना है कि उन्हें प्याज की लागत भी नहीं मिल पा रही है। मंडियों में प्याज का मूल्य मात्र एक से लेकर 2.5 प्रति किलो तक बिक रहा है। इससे हताश होकर किसानों ने प्याज को मंडी पहुंचाने की जगह सड़कों पर फेंकना शुरू कर दिया है। किसान मोहनलाल कुमावत ने अपनी फसल फेंकते हुए बताया कि 7 बीघा जमीन में लगभग 250 क्विंटल प्याज हुई थी। प्याज को उगाने में उन्हें 40 हजार प्रति बीघा तक का खर्चा आया है, जिसमें बीज, दवाई और बुवाई का खर्च शामिल है। किसान कुमावत के अनुसार, मंडी में मिल रहे दाम से अधिक तो उन्हें प्याज को खेत से मंडी तक लाने-ले जाने में खर्च हो जाता है।

किसानों का छलका दर्द

किसानों ने बताया कि हमने प्याज की फसल पर पूरी मेहनत और पूंजी लगाई थी। एक एकड़ में करीब एक लाख रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन इस बार प्याज के भाव इतने गिर गए हैं कि लागत भी नहीं निकल पा रही है। मजबूर होकर कई किसान फसल पर ट्रैक्टर चला रहे हैं। वहीं, सारोला के किसान उमेश का कहना नहीं कि पिछले साल जब प्याज के दाम 30 रुपये किलो थे, तब घरों में खुशहाली आई थी। इस बार एक रुपये किलो के भाव से सिर्फ नुकसान ही हो रहा है। हमने प्याज की अच्छी फसल होने पर कई सपने देखे थे, लेकिन सब अधूरे रह गए।

सस्ते दाम में बिक रहा प्याज

किसानों की मानें तो बरसाती मौसम की यह प्याज गुणवत्ता में बेहतरीन मानी जाती है और मंडियों में भी इसकी अच्छी मांग रहती है। मगर इस बार कीमतों में गिरावट ने किसानों को गहरा झटका दिया है। एक ओर किसान नुकसान से जूझ रहे हैं। वहीं आम उपभोक्ताओं के लिए यह राहत भरा समय है। इस बार सब्जी मंडियों में अच्छी क्वालिटी की प्याज खेरची में महज पांच रुपये किलो में मिल रही है। आम आदमी की रसोई में प्याज सस्ती हो गई है, लेकिन किसान के आंसुओं की कीमत अब तक किसी ने नहीं पूछी। कुल मिलाकर रसोई की शान प्याज अब किसानों के लिए घाटे का सौदा साबित हो रही है। किसान उम्मीद लगाए बैठे हैं कि सरकार जल्द उनकी समस्या पर ध्यान देगी। वरना आने वाले सीजन में खेतों में प्याज की जगह निराशा की फसल उग सकती है।

न्यूज ब्रीफ

कलेक्टर ने किया जैविक हाट विक्रय केंद्र का अवलोकन, किसानों को हर सप्ताह मिलेगी बिक्री की सुविधा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर शिवम वर्मा शनिवार को ग्रामीण हाट बाजार ढक्कन वाला कुआं पहुंचे और यहाँ संचालित जैविक हॉट विक्रय केंद्र का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने जैविक विधि से उत्पादित विभिन्न कृषि एवं खाद्य उत्पादों को देखा और उनकी सराहना की। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़े किसानों को निरंतर प्रोत्साहन दिया जाएगा तथा उन्हें प्रत्येक सप्ताह इस हाट बाजार में अपने उत्पाद बेचने के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु हाट बाजार से अधिक से अधिक खरीदारी करें और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएँ। उल्लेखनीय है कि आगामी 12, 13 एवं 14 दिसंबर को इसी हाट बाजार में विशेष जैविक मेला आयोजित किया जा रहा है।

खाद्य विभाग की टीम ने पंप को मौके पर किया सील

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर जिले के देपालपुर स्थित मे. प्राप्ति बायो डीजल पंप द्वारा अवैध रूप से नकली बायो डीजल की बिक्री करने पर रविवार को खाद्य विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। खाद्य विभाग की टीम ने पंप को मौके पर सील कर दिया है। मे. प्राप्ति बायो डीजल पंप पर प्रारंभिक जाँच में नकली बायो डीजल होना पाया गया है। जांच की कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी शिव सुंदर व्यास देपालपुर, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अजय अस्थान एवं सर्वेश सिंह गामड़ द्वारा की गई। मे. प्राप्ति बायो डीजल पंप की शिकायत प्राप्त होने पर खाद्य विभाग की टीम द्वारा जांच की गई। प्रारंभिक जांच में नकली बायो डीजल पाए जाने पर पंप को सील किया गया है। इसके साथ ही पंप संचालक द्वारा राज्य सरकार के अधिकृत लाईसेंस प्राप्त छह कंपनी के सप्लायर से सप्लाई नहीं लेकर अनाधिकृत फर्म से सप्लाई लेना पाया गया।

ट्रैफिक प्रहरी की मौजूदगी में भी नहीं करते नियमों का पालन

ट्रैफिक के नियम तोड़ना तो बनता जा रहा फैशन, समझाने के बाद भी नहीं सुधर रहे

मनमानी से वाहन दौड़ा रहे हैं शहर के लोग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में ट्रैफिक पुलिस का अभियान जारी है। बेकायदा वाहनों के चालान बनाए जा रहे हैं। हेलमेट को लेकर जागरुकता का अभियान भी जारी है। इसके बाद भी शहर का ट्रैफिक सुधर नहीं रहा है। वाहन चलाने वाले नियम कायदों को ताक में रखकर मनमानी से वाहन दौड़ा रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों पर कार चलाने वाले तेज गति से गाड़ी दौड़ाते हुए कई लोगों की जान आफत में डाल देते हैं तो बाइक सवार भी सड़कों पर स्टंट करते नजर आते हैं। कई इलाकों में तो नाबालिग वाहन दौड़ाते दिखाई देते हैं। ई-रिक्शा और आटो वालों के साथ ही बस ड्राइवर की मनमानी के नजारे भी आम बात हो गई है। सरवटे बस स्टेंड से लेकर रेलवे स्टेशन और शास्त्री ब्रिज के नीचे तक चौबीस घंटे सड़कों पर बस वालों की मनमानी के कारण ट्रैफिक का सत्यानाश हो रहा है। भंवरकुआ हो या छावनी हर शाम ट्रैफिक जाम के हालात नजर आते हैं। राजवाड़ा से लेकर जवाहर मार्ग तक ट्रैफिक जाम में फंसकर लोग परेशान होते रहते हैं। ट्रैफिक पुलिस के साथ ही दो हजार ट्रैफिक प्रहरी पर सड़कों पर ट्रैफिक सुधारने के लिए तैनात हैं। इनकी मौजूदगी के बाद भी वाहन चालक नियम तोड़ते हुए वाहन दौड़ाते हैं। ट्रैफिक सिग्नल पर लाल बत्ती होने के बाद भी तेजी से वाहन निकालना तो आजकल फैशन बन गया है। इतने जागरुकत अभियान के बाद भी लोग हेलमेट नहीं लगा रहे हैं।

अभियान व कार्यवाही जारी : यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा समझाईश के साथ ही नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहनों व

चालकों पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। शहर में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजन को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने बसों एवं आटो, ई-रिक्शा के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पाया गया कि कई बस चालक प्रतिबंधित क्षेत्रों में बस खड़ी कर सवारियों को चढ़ाने-उतारने का कार्य कर रहे थे जिससे यातायात बाधित हो रहा था। इसके अलावा बसों में क्षमता से अधिक सवारियाँ बैठाना, निर्धारित वर्दी न पहनना, अनियमित तरीके से बस खड़ी करना एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करना भी सामने आया। इन सभी उल्लंघनों पर ट्रैफिक पुलिस टीम ने 10 बसों के चालान बनाए। प्रतिबंधित मार्ग का उल्लंघन, वन-वे, ओवरलोडिंग तथा नो पार्किंग जैसे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 22 ई- रिक्शा, ऑटो पर सख्त कार्यवाही करते हुए उनके चालान बनाए गए।

बिना हेलमेट 641 पर कार्रवाई : सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से होने वाली मौतों पर अंकुश तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से हेलमेट के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। शुक्रवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 641 दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई।

नो पार्किंग 137 चालान

शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों तथा व्यस्त चौराहों पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 137 वाहनों जो नो पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़े कर यातायात अवरुद्ध करते पाए गए। इन वाहनों के चालान बनाए गए।

नो इंट्री के 20 चालान

ट्रैफिक पुलिस ने 5 दिसंबर की सुबह से 6 दिसंबर की सुबह तक नो एंट्री में भारी वाहनों को लाने वाले 20 वाहनों के विरु विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर 95 हजार रुपये का समन शुल्क वसूल कर शासन के खाते में जमा कराया, साथ ही उन्हें हिदायत भी दी गई कि प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करें।

एसआईआर में नो मैपिंग के 1.63 लाख मतदाताओं को जाएंगे नोटिस, 5.58 लाख नाम हटेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का 100 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। वहीं, अब मतदाता सूची में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इंदौर के 28.67 लाख मतदाताओं की सूची से 5.58 लाख मतदाता कम हो जाएंगे। यह वे हैं जो मौके पर नहीं मिले, जिनकी मृत्यु हो चुकी है या जो शिफ्ट हो चुके हैं आदि। वहीं अब इंदौर के 1.63 लाख मतदाताओं को 12 दिसंबर से नोटिस जारी होने शुरू हो जाएंगे। इंदौर के 28.67 लाख मतदाताओं में से 23.08 लाख के फार्म भरकर वापस मिले हैं। वहीं, इसमें से 1 लाख 63 हजार मतदाता ऐसे हैं जिनकी मैपिंग नहीं है। यानी कि ऐसे मतदाता जिनके खुद के या फिर उनके परिजनों के नाम साल 2003 की मतदाता सूची में नहीं पाए गए हैं। ऐसे में इन मतदाताओं को नोटिस जारी होंगे। फिर उन्हें 11 दस्तावेजों में से एक भरकर देना होगा। इसके बाद उनकी मैपिंग होगी। दस्तावेज नहीं देने पर मतदाता सूची से नाम हटा दिया जाएगा।

भले ही इंदौर जिला निर्वाचन अधिकारी को 23.08 लाख मतदाताओं के फार्म भरकर मिले हैं। इनमें से 21.45 लाख ही मैपिंग में आए हैं। करीब नौ लाख मतदाता ऐसे हैं जो साल 2003 की स्क्रूक सूची में भी मतदाता के तौर पर थे। बाकी 12 लाख से ज्यादा मतदाता ऐसे हैं जिनके कोई परिजन इस 2003 की सूची में मौजूद थे। वहीं 1.63 लाख मतदाता इस तरह की दोनों मैपिंग पेश नहीं कर सके हैं। इन्हें ही यह नोटिस जारी होंगे।

5.58 लाख मतदाता हट जाएंगे- जिले की मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन अब 16 दिसंबर को होगा। इस दौरान गायब 5.58 लाख मतदाता इस सूची से हट जाएंगे। इन गायब मतदाताओं की सूची इस प्रकार है-

मृत मतदाता- 41 हजार 625
जिन्हें नहीं ढूंढ पाए- 2.68 लाख
शिफ्ट हो गए- 2.03 लाख
अन्य कारणों से नहीं मिले- 45 हजार 716 मतदाता

यह सभी नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे।

फिर नाम कैसे जुड़ेंगे-नो मैपिंग वालों को आयोग नोटिस देगा और वे अपने दस्तावेज पेश करेंगे। इसके बाद उनकी मैपिंग हो जाएगी। वहीं, मतदाता सूची का बूथ पर प्रकाशन होगा। इस पर दावा-आपत्ति बुलाए जाएंगे।

यदि किसी का नाम नहीं है तो वह मतदाता के रूप में दर्ज होने के लिए फार्म भरकर देगा। इस फार्म को संबंधित विधानसभा के चुनाव अधिकारी के सामने पेश किया जाएगा।

वह सभी दस्तावेजों की जांच करने के बाद इसे मंजूर या खारिज करेगा। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन जो फरवरी 2026 में होगा। इसमें उनका नाम जुड़ जाएगा।

इंदौर में एसआईआर की खबर पर एक नजर...

- इंदौर के 28.67 लाख मतदाताओं की सूची में से 5.58 लाख मतदाता हटेंगे, जिनमें मृतक, शिफ्ट हुए या न मिल पाने वाले लोग शामिल हैं।
- 1.63 लाख मतदाताओं को 12 दिसंबर से नोटिस जारी होंगे, क्योंकि उनकी मैपिंग नहीं हो पाई है।
- 21.12 लाख मतदाता मैपिंग में शामिल हुए, जबकि 1.63 लाख ऐसे हैं जिनकी मैपिंग नहीं हो सकी।
- 16 दिसंबर को प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होगी, जिसमें गायब 5.58 लाख मतदाता के नाम हट जाएंगे।
- नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं को 11 दस्तावेजों में से एक जमा करने होंगे, इसके बाद उनकी मैपिंग की जाएगी।

टीआई- एडीसीपी के झूठे हलफलामा में क्या कार्रवाई की

पुलिस कमिश्नर को सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र के साथ देनी होगी जानकारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल और चंदन नगर थाना प्रभारी इंद्रमणि पटेल को सुप्रीम कोर्ट ने झूठा हलफनामा पेश करने के मामले में अब पुलिस कमिश्नर को भी पक्षकार बनाया गया है। इस झूठे हलफनामा मामले में इन दोनों अधिकारियों पर पुलिस कमिश्नर ने क्या कार्रवाई की, इसकी जानकारी उन्हें लार्जर एफिडेविट (विस्तृत हलफनामा) के साथ देनी है। इसके चलते मामला काफी गंभीर हो गया है। इसकी सुनवाई 9 दिसंबर को है।

दोनों पुलिस अधिकारियों ने आरोपी अनवर हुसैन की जमानत का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा जमा किया था, जिसमें दावा किया गया था कि अनवर पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। डबल बेंच जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने जब रिकॉर्ड की जांच करवाई तो पता चला कि हलफनामे में बताए गए आठ में से चार मामलों में आरोपी अनवर का नाम ही नहीं था। जांच से स्पष्ट हुआ कि यह केस 2023 में अनवर नहीं, बल्कि करण पवार नामक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज है और वह मामला भी बलात्कार नहीं, बल्कि अवैध हथियार रखने (आर्म्स एक्ट) से संबंधित है। कोर्ट ने इसे तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर अदालत को गुमराह करने की कोशिश माना। कोर्ट ने प्रोसेडिंग में 7, 8 और 9 बिंदुओं में इसका स्पष्ट जिक्र किया है। नीरज सोनी (सीनियर एडवोकेट) के मुताबिक 28 अक्टूबर 2025 को चंदन नगर के टीआई इंद्रमणि पटेल और एडीसीपी दिशेष अग्रवाल द्वारा सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा पेश किया गया था इसे कोर्ट ने गलत माना। 4 नवंबर को इन दोनों अधिकारियों के हलफनामा को झूठा माना। साथ ही गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई खासकर दोनों अधिकारियों के आचरण को लेकर क्योंकि समाज में पुलिस सीधे तौर पर लोगों के विश्वास पर केंद्रित है। इन दोनों अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट में गलत हलफनामा पेश किया इसलिए तो इन दोनों अधिकारियों रिस्पोनडेंट नंबर 2 और 3 बनाया है। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नर इंदौर को रेस्पोनडेंट नं. 5 के रूप में जोड़ा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों अधिकारियों के विषय में यह उल्लेख किया गया है कि पुलिस कमिश्नर इनके बारे में विस्तृत हलफनामा पेश करें कि इनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। अब 9 दिसंबर को पुलिस कमिश्नर को शपथपत्र पेश करना होगा। यह मामला इस कारण गंभीर हो गया कि चंदन नगर थाना पुलिस ने अनवर के बारे में हाई कोर्ट में हलफनामा दिया था वह आठ अपराधों के संबंध में दिया था। फिर सुप्रीम कोर्ट में भी ऐसा ही किया।

सस्पेंड हुई देवास सहायक आयुक्त आबकारी मंदाकिनी दीक्षित को घेरने के लिए हुई थी लोकायुक्त की कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवास की सहायक आयुक्त आबकारी मंदाकिनी दीक्षित पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन पर इंदौर के शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना से हर महीने 7.50 लाख रिश्वत मांगने का आरोप है। मकवाना के सुसाइड करने के बाद सीएम मोहन यादव ने सख्ती दिखाई है। मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीर मानते हुए दीक्षित को सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं। दीक्षित को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, अब इस मामले में चौंकाने वाली बात सामने आई है।

लोकायुक्त करने वाला था ट्रैप-मंदाकिनी दीक्षित से शराब ठेकेदार लगातार परेशान थे। ऐसे में दीक्षित की शिकायत लोकायुक्त उज्जैन पहुंच गई थी। उन्हें ट्रैप करने के लिए कुछ महीने पहले पूरी फील्डिंग हो चुकी थी। लोकायुक्त उज्जैन से दल भी देवास के लिए रवाना हुआ था। बताया जाता है कि शराब ठेकेदार से रिश्वत लेने के लिए एडीईओ स्तर के एक अधिकारी को दीक्षित ने रवाना कर दिया था। इसको लेकर पूरी फील्डिंग जम गई थी। वहीं, इसी दौरान एडीईओ को कोई भनक लगी और वह रिश्वत की राशि लेने नहीं गया। इस घटना के बाद बताया जाता है कि दीक्षित ने भी छुट्टी ले ली और चार-पांच दिन तक अपना मोबाइल बंद रखा था। इसके बाद मामला ठंडा हो गया था।

दीक्षित जहां रहीं वहां शिकायतें-दीक्षित की शिकायतों का यह पहला मौका नहीं है। इसके पहले वह नरसिंहपुर और शाजापुर में पदस्थ रही हैं। यहां भी उनके खिलाफ शराब ठेकेदारों ने शिकायतें की हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं देवास में साल 2025-26 में कुल 69 एकल मदिरा समूह हैं। अप्रैल में 7 समूह ने ठेका मिलने के बाद भी शराब ठेकेदारों ने काम छोड़ दिया था। बाद में सरकार ने फिर रिटेंडर किया था। अब आबकारी विभाग इसकी भी जांच कर रहा है कि आखिर इन ठेकेदारों ने ठेका क्यों छोड़ा था। मकवाना के ही सुसाइड के पहले वाले वीडियो में आरोप है कि रिश्वत नहीं देने पर दीक्षित वेयरहाउस से माल ही नहीं उठाने देती थीं। यानी यह उनके परेशान करने का तरीका था। बिना आबकारी मंजूरी के माल नहीं मिल सकता है। इसके बिना दुकान चलेगी ही नहीं। वहीं जिस राशि पर ठेका ठेकेदार ने उठाया है, उन्हें हर माह उस हिसाब से इसकी किश्त भरना ही है।

5 प्वाइंट में समझें क्या है पूरा मामला

मंदाकिनी दीक्षित पर रिश्वत मांगने का आरोप : देवास की सहायक आयुक्त आबकारी मंदाकिनी दीक्षित पर शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना से हर महीने 7.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप है।

लोकायुक्त कार्रवाई का था प्लान : लोकायुक्त ने मंदाकिनी दीक्षित को ट्रैप करने की योजना बनाई थी, लेकिन रिश्वत लेने के लिए भेजे गए अधिकारी ने इसे नकार दिया और दीक्षित ने छुट्टी ले ली।

पिछली शिकायतें और आरोप : दीक्षित के खिलाफ पहले भी नरसिंहपुर और शाजापुर में शराब ठेकेदारों की शिकायतें आई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

मकवाना का सुसाइड और वीडियो : शराब ठेकेदार दिनेश मकवाना ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो में दीक्षित पर 20-22 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाया था।

दीक्षित का बचाव : मंदाकिनी दीक्षित ने आरोपों को नकारते हुए कहा कि यह वीडियो उनके खिलाफ ब्लैकमेलिंग के लिए जारी किया गया है और वह इस मामले की जांच की मांग कर रही हैं।

दो और अधिकारियों के आ रहे नाम-वेयरहाउस से माल नहीं उठाने देने के लिए दीक्षित अपने अधिकारियों का उपयोग करती थीं।

घटिया निर्माण के कारण राऊ ब्रिज की सड़क खोदने को हुए मजबूर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • सरकारी रुपयों की कैसी बर्बादी होती है, इसका एक नजारा देखना हो, तो राऊ ब्रिज पर देखा जा सकता है। राऊ चौराहा बायपाय पर करीब 43 करोड़ की लागत से ब्रिज का निर्माण नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। 15 जुलाई 25 को इस ब्रिज की शुरुआत कर दी गई थी। तय समय सीमा से करीब एक वर्ष देरी से इस ब्रिज का निर्माण हुआ था। ब्रिज पर ट्रैफिक शुरू होते ही बनाई गई घटिया सड़क की पोल खुलने लगी थी। बारिश के दौरान यहां इतना गड्ढे हो गए थे कि वाहनों का निकलना मुश्कल होने लगा। चारो ओर अथॉरिटी की थू-थू होने लगी। इस पर संसाद शंकर लालवानी ने संज्ञान लिया और इसकी शिकायत आला

फाइल फोटो

अधिकारियों तक पहुंचाई।

मर्ज बढ़ता ही गया.. ज्यों-ज्यों दवा की

ब्रिज की मुख्य सड़क का निर्माण इतना घटिया तरीके से किया गया था कि कई बार इसे रिपेयर किया गया, लेकिन फिर भी सुधर नहीं पाई। वर्तमान में इस सड़क को खोद कर फिर से बनाया जा रहा है। इस सड़क पर वर्तमान में ट्रैफिक बंद किया हुआ है। इसके कारण यहां से निकलने वाले वाहन चालकों को परेशानी उठाना पड़ रही है। बड़ी बात यह है कि इतनी घटिया सड़क का निर्माण करने वाली एजेंसी पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की गई। इस पुल से प्रतिदिन करीब डेढ़ से दो लाख वाहनों का गुजर होता है। फिलहाल सड़क की खुदाई चल रही है, इसके बाद फिर से सीमेंट-कांक्रीट किया जाएगा।

अस्ततारा | जनवरी 2026 में एक भी विवाह मुहूर्त नहीं, फरवरी से प्रारंभ होंगे मांगलिक कार्य

11 दिसंबर को अस्त हो रहा शुक्रतारा, मांगलिक कार्यक्रमों पर लगा ब्रेक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • दिसंबर में शुभ मुहूर्त रविवार को अंतिम था, वहीं 11 दिसंबर को शुक्र तारा अस्त हो रहा है। शुक्र अस्त रहने पर विवाह सहित सभी मांगलिक कार्य रोक दिए जाते हैं। जनवरी 2026 में भी एक भी विवाह मुहुर्त उपलब्ध नहीं होगा और शुभकार्य फरवरी से पुनः शुरू होंगे।

सनातन परंपरा में शुभ मुहुर्त और ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का अत्यंत महत्व होता है। विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण जैसे मांगलिक कार्य किसी भी समय नहीं किए जाते, बल्कि इसके लिए विशेष रूप से ज्योतिषीय गणना के अनुसार शुभ समय निर्धारित किया जाता है।

ज्योतिषियों के अनुसार वर्ष 2025 अब अतिम चरण में है इस बार दिसंबर में विवाह मुहूर्त सिर्फ तीन 5.6 एवं 7 दिसंबर थे। इसका मुख्य कारण है. शुक्र तारा का अस्त होना, जिसे ज्योतिष में मांगलिक कार्यों के बाधित होने का प्रमुख कारण माना जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 11 दिसंबर को शुक्र तारा 52 दिनों के लिए अस्त हो जाएगा। इस अवधि में विवाह, सगाई, गृह प्रवेश और बड़े शुभ कार्य करना

वर्जित माना जाता। इसके कारण दिसंबर के चाकी दिनों के साथ जनवरी 2026 में विवाह योग्य मुहूर्त नहीं रहेगा।

इसलिए नहीं होंगे मांगलिक कार्य- ज्योतिषाचार्यों के अनुसार शास्त्रों में शुक्र को विवाह, प्रेम, सौंदर्य, दांपाय जीयन और भौतिक सुखों का कारक माना जाता है। जय शुक्र अस्त होता है, तब उसकी शुभ ऊर्जा क्षीणा मान ती जाती है। इसी कारण विवाह, सगाई उपनयन और नए दांपत्य जीटन की शुरुआत रोक दी जाती है।

फरवरी 2026 से फिर शुरू होंगे शुभमुहूर्त, 14 मार्च के बाद मीन खरमास-ज्योतिषियों के अनुसार वर्ष 2026 की शुरुआत में भी शुभ मुहूर्त के लिए एक महीने की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी, लेकिन उसके बाद मुहूतों की अच्छी संख्या मिलने वाली है। जैसे ही 1 फरवरी 2026 को शुक्र उदय होगा, उसके बाद से पुनः मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। फरवरी से लेकर वर्ष के अंत तक कुल मिलाकर 54 शुभ विवाह मुहूर्त उपलब्ध रहेंगे। इनमें से सबसे अधिक मुहूर्त फरवरी और मार्च में मिलेंगे, क्योंकि 14 मार्च के बाद मीन खरमास शुरू हो जाएगा, जिसमें भी विवाह वर्जित होते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।